RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 162 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 03 जून, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

मतगणना का काउंटडाउन शुरू, हलचल तेज

मतदान का विश्व रिकॉड बनाया : राजीव कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के सात चरणों के मतदान के बाद चार जून यानी कल मतगणना होगी। इससे पहले चुनाव आयोग ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 में भाग लेने वाले सभी मतदाताओं का खड़े होकर अभिनंदन किया। मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि हमने 642 मिलियन मतदाताओं का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह सभी जी-7 देशों के मतदाताओं का 1.5 गुना और यूरोपीय संघ के 27 देशों के मतदाताओं का 2.5 गुना है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 31.2 करोड़ महिलाओं ने वोट डाला।

सीईसी राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव कर्मियों के सावधानीपूर्वक और सतर्कतापूर्वक किए गए काम की वजह से हमने कम पुनर्मतदान सुनिश्चित किए। हमने 2019 में 540 के मुकाबले 2024 के लोकसभा चुनाव में 39 पुनर्मतदान देखे। इसमें भी 39 में से 25 पुनर्मतदान तो सिर्फ दो राज्यों में हुए।

उन्होंने कहा कि भारत ने लोकसभा चुनाव में 31.2 करोड़ महिलाओं समेत 64.2 करोड़ मतदाताओं की भागीदारी के साथ वैश्विक रिकॉर्ड बनाया।सीईसी राजीव कुमार ने सोशल मीडिया पर चुनाव आयुक्तों को 'लापता सज्जन' कहे जाने वाले मीम्स पर कहा कि हम हमेशा से यहां थे, कभी गायब नहीं हुए। दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया में 68,000 से अधिक निगरानी दल, 1.5 करोड़ पोलिंग एवं सुरक्षाकर्मी शामिल थे। 2024 के लोकसभा चुनाव कराने में करीब चार लाख वाहन, 135 विशेष ट्रेनें और 1,692 हवाई उड़ानों का इस्तेमाल किया गया। 2024 के आम चुनावों में केवल 39 पुनर्मतदान हुए, जबकि 2019 में 540 पुनर्मतदान हुए थे।

जम्मू-कश्मीर में चार दशकों में सबसे अधिक मतदान हुआ, कुल मिलाकर 58.58 प्रतिशत और घाटी में 51.05 प्रतिशत मतदान हुआ।

भाजपा ने झूठे आंकड़ों से देश-दुनिया को ठगा : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने से पहले समाजवादी पार्टी प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके केंद्र की भाजपा सरकार की नीतियों पर निशाना साधा। उन्होंने बीजेपी पर देश की जनता पर महंगाई थोपने और युवाओं को बेरोजगार बनाने का आरोप लगाया।

सपा के पार्टी मुख्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया और बिना जांच के उन्हें जानलेवा वैक्सीन लगवा दिए। उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक फायदे के लिए परिवारों को आपस में लड़ाने और भाई को भाई के सामने खड़ा करने का आरोप लगाया। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने मानसिक रूप से अपने समर्थकों को हिंसक बना दिया है। अखिलेश यादव ने इलेक्टोरल बॉन्ड समते कई मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर देश में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी के शासनकाल में महिलाओं, पिछड़ों और दलितों समेत आदिवासियों के खिलाफ अपराध बढ़े। नोटबंदी से छोटे कारोबारी बर्बाद हो गए. इलेक्टोरल बांड जैसा घोटाले हुआ। कमीशन लेकर खराब गुणवत्ता की दवाइयों को मंजूरी दी गई।

अखिलेश यादव ने एग्जिट पोल के अनुमानों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पतंग जितनी ऊंचाई पर जाकर कटती है, उतना ही नीचे आकर गिरती है। हमारा एग्जिट पोल कहता है कि इंडिया गठबंधन को सबसे ज्यादा सीटें यूपी से मिलेंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने मंत्रियों से महिलाओं को अपशब्द कहलवाए।

मणिपुर हिंसा, लखीमपुर कांड, कानपुर देहात और हाथरस कांड में महिलाओं और लोगों के साथ अन्याय किया। चुनी हुई सरकारें गिराईं। न्यायलय तक में अपने लोगो को सेट किया। न्यायाधीशों के एक वर्ग विशेष से अपने पक्ष में बयान दिलवाए। इस बार जनता गांधी जी के करो या मरो नारे की तरह दूसरे स्वतंत्रता आंदोलन के लिए तैयार बैठी है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मतगणना का विश्व रिकॉर्ड बनाया : सीईसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव-2024 के कल (मंगलवार, 4 जून) को परिणाम से एक दिन पहले और एग्जिट पोल के अनुमानों के बाद सोमवार को शेयर बाजार जमकर झूमा। सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में अपने-अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए। इससे पहले प्री ओपनिंग के दौरान सेसेंक्स ने 2600 अंक से ऊपर की छलांग लगाई। वहीं, निफ्टी भी 800 अंक से ज्यादा की बढ़त के साथ खुला। एक समय अपने ऑल टाइम हाई 76,583.29 तक पहुंचा।

दरअसल, शेयर बाजार में सोमवार को अभूतपूर्व तेजी देखने को मिली। एग्जिट पोल में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की निर्णायक जीत का अनुमान लगाए जाने के बाद शेयर बाजार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इससे निवेशकों में काफी उत्साह देखने को मिला। सेंसेक्स 1859.88 अंकों की बढ़त के साथ 75,821.19 के रिकॉर्ड स्तर पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी 603.85 अंकों की उछाल के साथ 23,134.55 पर खुला। इस दौरान निफ्टी बैंक पहली बार 50 हजार के पार पहुंच गया।

● 'एग्जिट पोल सही तो जारी रहेगी तेजी'

नोएडा में शेयर बाजार विशेषज्ञ नीरव वखारिया का कहना है कि एग्जिट पोल के नतीजों और आज बाजार की स्थिति ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि मौजूदा मोदी सरकार बनी रहेगी। बाजार में निरंतरता आ रही है, जो अन्यथा पिछले दो महीनों से सीमित थी। निरंतरता यह संकेत देती है कि सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदम जारी रहेंगे। बाजार में और (शेष पृष्ठ-3 पर)

नतीजों से पहले महंगाई बम

अमूल व मदर डेयरी का दूध महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव-2024 के कल (4 जून) को नतीजे आने से पहले ही आम जनता पर महंगाई बम फूटा है। देश की दो सबसे बड़ी दुग्ध उत्पादक कंपनियों ने अपने उत्पादों के दाम बढ़ा दिए हैं। पहले अमूल ने दूध के दाम में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की। इसके 12 घंटे बाद ही मदर डेयरी ने दिल्ली-एनसीआर के बाजार में दूध की कीमतों बढ़ोतरी का एलान कर दिया है।

कंपनी ने दूध के दाम में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसका कारण पिछले 15 महीनों में लागत में वृद्धि बताया गया है। सभी प्रकार के दूध की कीमतों में वृद्धि सोमवार यानी तीन जून से दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के साथ-साथ अन्य (शेष पृष्ठ-3 पर)

देश में टोल टैक्स हुआ महंगा

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर 8 रूपये देने होंगे ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करने वाले मोटर चालकों को सोमवार से अधिक भुगतान करना होगा। दरअसल, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने देशभर में टोल दरों में औसतन पांच फीसदी बढ़ोतरी का फैसला किया है। टोल दरों में हर साल एक अप्रैल को संशोधन होता है। लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव के कारण बढ़ोतरी टाल दी गई थी। एनएचएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा, नई टोल दरें तीन जून से लागू होंगी। टोल दरों में (शेष पृष्ठ-3 पर)

एग्जिट पोल से उलट होंगे नतीजे : सोनिया गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज तमिलनाडु के पूर्व सीएम दिवंगत एम करुणानिधि की जयंती है। इस अवसर पर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए तमिलनाडु पहुंची। उन्होंने कल आने वाले लोकसभा चुनाव के नतीजों पर पहली बार बयान दिया है।

कांग्रेस संसदीय समिति की अध्यक्ष सोनिया गांधी का बयान सामने आया है। एग्जिट पोल्स के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमें इंतजार करना होगा। बस इंतजार करें और देखें। हमें पूरी उम्मीद है कि नतीजे एग्जिट पोल के नतीजों से बिल्कुल उलट होंगे।

दरअसल, सोनिया गांधी डीएमके कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची थीं। यहां से निकलते वक्त उन्होंने यह टिप्पणी की। इससे पहले सोनिया गांधी ने डीएमके के दिग्गज नेता एम. करुणानिधि को उनकी 100वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

48 लाख खर्च करके बनेगा लेबर सेंटर

प्राधिकरण के चेयरमैन ने दी मंजूरी, 200 वर्गमीटर में बनेगा

नोएडा (चेतना मंच)। धूप-बरसात तथा ठंड में अपने श्रम की बोली लगाने वाली मंडी यानी लेबर चौक पर मजदूरों के बैठने के लिए नोएडा प्राधिकरण 48 लाख रूपये खर्च करेंगा। सेक्टर-49 चौराहे के पास बनने वाले लेबर सेंटर में करीब 250 मजदूर एक साथ बैठ सकेंगे। यह सेंटर करीब 200 वर्ग मीटर में बनाया जाएगा।

नोएडा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन तथा औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने इस सेक्टर को बनाने की हरी झंडी प्रदान कर दी है। मजदूरों के बैठने के लिए इस लेबर सेंटर में मजदूरों के लिए बैठने या रूकने के लिए कोई जगह नहीं है। ऐसे में मजदूर दिन भर खड़े होकर ही अपनी रोजी रोटी की तलाश में लगे रहते हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

नोएडा की कंपनी में लगी आग सत्संग भवन भी आया चपेट में

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर में आग लगने की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। पिछले 36 घंटों में नोएडा में आग लगने की 12 घटनाएं हो चुकी है। सोमवार सुबह भी नोएडा के औद्योगिक सेक्टर 10 के सी ब्लॉक में स्थित एक कंपनी में आग लग गई। कंपनी के तीसरे फ्लोर पर स्थित अंतरयामी सतसंग भवन भी इस आग की चपेट में आ गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग को काबू किया।

गौतमबुद्धनगर के चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप कुमार ने बताया कि सुबह 10.03 मिनट पर फायर बिग्रेड को सूचना मिली कि नोएडा के थाना फेस-1 स्थित सेक्टर-10 के सी-122 बिल्डिंग में आग लग गई है। खबर लगते ही फायर विभाग की 8 गाड़ियां मौके पर भेजी गई तथा आग को काबू किया गया। उन्होंने बताया कि कंपनी में गारमेंट व प्रिंटिंग का काम होता है। सुबह कंपनी में जैसे ही ऐसी ऑन किया गया तभी (शेष पृष्ठ-3 पर)

गौतमबुद्धनगर में मतगणना की तैयारी पूरी

15 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला कल, डीएम ने मतगणना स्थल का किया निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर मतगणना की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सेक्टर फेस-2 स्थित फूलमंडी में बनाए गए स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गयी है। जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कल रात मतगणना स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये साथ ही मतगणना स्थल पर की गई तैयारियों का जायजा लिया।

गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे 15 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला कल हो जाएगा। जैसे-जैसे फैसले की घड़ी नजदीक आती जा रही है, प्रत्याशियों की दिलों की धड़कने तेज हो रही है। गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट की मतगणना में तीन विधानसभा सीटों नोएडा, दादरी और जेवर के मतों की गणना नोएडा फेस-2 (शेष पृष्ठ-3 पर)

4 लाख से अधिक अंतर से होगी डॉ. महेश शर्मा की जीत : संजय बाली

नोएडा (चेतना मंच)। कल 4 जून को निकलने वाले 18वीं लोकसभा चुनाव के परिणाम भाजपा के दावों के अनुरूप ही होंगे। जहां भारतीय जनता पार्टी को देश भर में 400 के आर या पार सीटें मिलेंगी। वहीं गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र में भी जीत का अंतर 4 लाख से अधिक का रहेगा। यह दावा किया वरिष्ठ भाजपा नेता तथा सांसद डॉ. महेश शर्मा के प्रतिनिधि संजय बाली ने।

संजय बाली ने **चेतना मंच** को बताया कि इस लोकसभा सीट की सभी पांचों विधानसभा में डॉ. महेश शर्मा को लोगों ने भरपूर प्यार व आशीर्वाद दिया है। जिसका परिणाम कल यानी 4 जून को देखने को मिलेगा। परिणाम आने के बाद विपक्षी दलों की अफवाहों तथा दावों की (शेष पृष्ठ-3 पर)

नोएडा प्राधिकरण | 15 करोड़ की लागत से विकसित होगा देश का पहला वेस्ट टू वाइल्ड लाइफ पार्क

अब आप नोएडा में देख सकेंगे डायनासोर!

● इसी माह शुरू होगा पार्क का कार्य

नोएडा (चेतना मंच)। अगले 6 माह के बाद आप विलुप्त हो चुके भीमकाय डायनासोर को नोएडा में देख सकेंगे। वह भी आवाज निकालते हुए।

जी हां, चौंकिये मत। नोएडा के महामाया फ्लाईओवर के पास 18.27 एकड़ में नोएडा प्राधिकरण एनसीआर का पहला नेचुरल ट्रेल ऑफ आर्टिफिशयल जू थीम पार्क विकसित करने जा रहा है। इसे करीब 15 करोड़ रूपये की लागत से तैयार किया जा रहा है। दावा है कि यह देश का पहला वेस्ट वाइल्ड लाइफ पार्क होगा। इसी माह इस पार्क का निर्माण शुरू करने की योजना है।

पार्क में 500 टन लोहा वेस्ट का प्रयोग किया जा रहा है। इस लोहे से जंगली जानवरों को बनाया गया है। इसमें विलुप्त जानवरों को भी शामिल किया गया है। जिसमें डायनासोर और उसकी अन्य जातियों के जानवर शामिल है। इसे पूर्णता लोहे से बनाया गया है। जिसमें उनकी आवाज को साफ्ट वेयर के जरिए फीड की गई है। इसके बाद लोहे से पार्क में स्कल्पचर बनाए जाएंगे। इसके अलावा प्लास्टिक वेस्ट का प्रयोग भी किया जाएगा। इस पार्क को बनाने में करीब 15 करोड़ रुपए खर्च किया जाएगा। इसमें हाथी, पैंगुविन, शेर, जिराफ, बर्ल्डस, बत्तख, फ्लेमिंगो, बटरफ्लाई, जंगली भैसे, डाइनासोर, गेंडा, मोर, भालू, क्वाला, पांडा आदि को बनाया जाएगा।

पार्क के तीन जोन में बांटा गया है। पहला जोन-ए 4.05 एकड़ का है। इसमें पार्किंग, एंपीथियेटर (1000 लोगों की क्षमता का), फूड कोर्ट और एक्जीबीशन एरिया है। यहां 8 बसों और 76 कारों की पार्किंग होगी। जोन-बी 8.77 एकड़ का बनाया जा रहा है। इसमें ट्रोपिकल रेन फारेस्ट , ग्रास लैंड , वेट लैंड को बनाया जाएगा। जोन-ए और बी को जोड़ने के लिए एक्सप्रेस वे के ऊपर एक एफओबी बनाया जाएगा। तीसरा जोन-सी 5.45 एकड़ का है। इसमें आईएस लैंड ओसियन, ट्रेमप्रेट फारेस्ट और पोलर रीजन होगा। (शेष पृष्ठ-3 पर)

डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-97 अंडरपास के पास बीती रात को एक बाइक सवार की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक विवेक शर्मा (उम्र 30) वर्ष बीती रात को मोटरसाइकिल पर सवार होकर नोएडा से ग्रेटर नोएडा में रहने वाली अपनी महिला मित्र से मिलने जा रहे थे। उसने अपने कान में मोबाइल फोन की लीड लगा रखी थी। सेक्टर-97 अंडरपास के पास उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई तथा वह मोटरसाइकिल से उछलकर करीब 15 फीट गहरे नाले में जा गिरे। अत्यंत गंभीर हालत में उपचार के लिए उन्हें नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उनकी मौत हो गई। थाना फेस-3 क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में अजीत विश्वनाथन उम्र 25 वर्ष की मौत हो गई है। थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में हुए एक सड़क (शेष पृष्ठ-3 पर)

सुरक्षा से खिलवाड

यह बेहद गंभीर सवाल है कि ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की गिरती सेहत और बिगड़ती तबीयत के खिलाफ कोई साजिश कर सकता है क्या? क्या एक मुख्यमंत्री की सुरक्षा-व्यवस्था के साथ ऐसा नियमित खिलवाड़ संभव है? मुख्यमंत्री नवीन पटनायक हैं, लेकिन उनके डिजिटल हस्ताक्षरों का दुरुपयोग कर कोई लॉबी सत्ता का अवैध संचालन कर सकती है? क्या सत्ता और सरकार की लोकतांत्रिक व्यवस्था इतनी कमजोर हो सकती है? जनादेश किसी राजनेता के आह्वानों और उसके राजनीतिक दल को मिले, लेकिन सत्ता अदृश्य रूप से कोई और चलाए, क्या हमारी संवैधानिक व्यवस्था में ऐसे भी छिद्र हैं? 18वीं लोकसभा के लिए आम चुनाव आज समाप्त हो रहा है। चुनाव-प्रचार पर तो 30 मई को ही पटाक्षेप हो गया था। ढेरों अनाप-शनाप मुद्दे उठाए गए। संविधान बदलने और लोकतंत्र खत्म होने की हास्यास्पद राजनीति भी की गई, लेकिन इस मुद्दे पर किसी भी पक्ष ने चिंता और सरोकार नहीं जताए, जो सीधा 'जनसेवक' के स्वास्थ्य से जुड़ा है और उसके यथार्थ को जानने का अधिकार जनता को है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की सेहत को लेकर सवाल जरूर उठाया, लेकिन उसे 'राजनीतिक साजिश' का रंग भी दे दिया, लिहाजा प्रधानमंत्री भी वोट बटोरने की मुद्रा में थे। उनका आशय यह था कि जो मुख्यमंत्री काम करने में 'असहाय' हो, तो उसका विकल्प ढूंढना चाहिए। साफ मायने थे कि विकल्प के तौर पर ओडिशा में भाजपा मौजूद है, लिहाजा उसे ही जनादेश मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने उनका माकूल जवाब भी दिया कि यदि प्रधानमंत्री उन्हें अपना मित्र मानते हैं, तो वह फोन कर तबीयत का हाल पूछ सकते हैं। अलबत्ता वह बिल्कुल ठीक-ठाक और अपना दायित्व निभाने लायक हैं। लेकिन जो दो वीडियो सार्वजनिक हुए हैं, उनमें से एक वीडियो में मुख्यमंत्री चुनावी सभा को संबोधित कर रहे हैं और उनका बायां हाथ इस तरह हिल रहा था मानो वह पार्किन्सन रोग के मरीज हैं! मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव रहे, अब उनके निकटस्थ सहयोगी, पूर्व आईएएस अधिकारी वीके पांडियन बार-बार मुख्यमंत्री के हिलते हाथ को ओट में छिपा रहे थे, लेकिन हाथ बार-बार सार्वजनिक हो रहा था। दूसरे वीडियो में एक सहयोगी मुख्यमंत्री के पांव को सहारा दे रहा था, उसी से मुख्यमंत्री स्थिर होकर बैठ पा रहे थे। दरअसल प्रधानमंत्री ने जो सवाल उठाए हैं, वे पांडियन को निशाना बनाकर उठाए हैं। साजिश का मुलम्मा पांडियन पर ही चढ़ाया जा रहा है, लिहाजा प्रधानमंत्री ने यहां तक घोषणा कर दी कि यदि 10 जून को ओडिशा में भाजपा सरकार बनी, तो एक विशेष समिति गठित कर जांच कराई जाएगी कि नवीन बाबू की तबीयत इस कदर बिगड़ती क्यों गई है? प्रधानमंत्री मानते हैं कि ओडिशा में परदे के पीछे से एक खास लॉबी सत्ता भोग रही है, जिसे बेनकाब करना जरूरी है, क्योंकि यह लोकतंत्र और जनादेश के खिलाफ है। दरअसल भारत में राजनेता के निजता के अधिकार और जनता के सब कुछ जानने के अधिकार के बीच कुछ 'लक्ष्मण-रेखाएं' खींची गई हैं। भारत में सार्वजनिक संवाद कमोबेश मौन रहने वाला या अल्पभाषी और चौकस रहा है। निजी जिंदगी पर चर्चा राजनीतिक विरोधियों और मीडिया में उतनी नहीं है, जितनी अमरीका जैसे देश में है। जो शख्स सत्ता हासिल करना चाहता है और उसके लिए चुनाव लड़ रहा है, उसकी शारीरिक, मानसिक सेहत और चरित्र के बारे में भी उतना सरोकार नहीं रहता, जितना पश्चिमी देशों में है। भारत में तो 90 साल का ढहता, हिलता हुआ, अस्वस्थ नेता भी चुनाव लड़ता है और उसे जन-स्वीकृति भी मिलती है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का मामला भिन्न है, क्योंकि वह फिलहाल सत्ता में हैं और आगामी पांच साल के जनादेश के लिए चुनाव-मैदान में हैं। समय बदल रहा है। नैतिकता और लक्ष्मण-रेखाएं एक तरफ रहनी चाहिए और नेता की शारीरिक और मानसिक सेहत की जानकारी जनता को जरूर दी जानी चाहिए, क्योंकि उस नेता के हाथ में एक पूरे राज्य के अरबों रुपए के संसाधन होते हैं। वह जनता की ही पूंजी है। यदि इस बार भी नवीन पटनायक चुनाव में जीत गए, तो वह मुख्यमंत्री के तौर पर नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे, लेकिन उन्हें अपनी सेहत पर वीडियो जरूर जारी करना चाहिए और हिलते हाथ-पांव की हकीकत भी सार्वजनिक करनी चाहिए। अगर वह स्वस्थ नहीं हैं, तो सत्ता उनके उत्तराधिकारी को सौंपी जानी चाहिए। उत्तराधिकारी का जल्द चयन हो।

प्रकृति एवं पर्यावरण में जहर घोलने से बढ़ी जानलेवा गर्मी

लोकसभा चुनाव के प्रचार की गर्मी भले ही समाप्त हो गयी हो लेकिन प्रकृति से जुड़ी गर्मी सौ-डेढ़ सौ वर्षों का रिकार्ड तोड़ते हुए कहर बरपा रही है। दिल्ली का पारा 50 डिग्री से तो ज्यादा ही रहा है। देश के 17 से अधिक शहरों में तापमान उच्चतम स्तर पर चल रहा है। यह एक तरह का प्राकृतिक आपातकाल है। हीटवेव या यों कहें कि लू के थपेड़ों ने जनजीवन को मौत के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। लू या हीटवेव या तापघात के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में मौत के समाचार भी आ रहे हैं। तस्वीर का एक पहलू यह है कि अभी तक सही मायने में हमारे देश में हीटवेव को डिजास्टर मैंनेजमेंट में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। वैज्ञानिक बता रहे हैं कि शहरों में हीट आइलैंड बन रहे हैं, जिसके लिए मुख्य रूप से सीमेंट-तारकोल और कृत्रिम वातानुकूलित (एसीवाली) जीवनशैली जिम्मेदार है। कंक्रीट और तारकोल के जंगलों का विस्तार करने को जब तक हम अपनी जरूरत समझते रहेंगे तब तक हरे-भरे जंगलों को कटने से कोई नहीं रोक सकेगा। दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर देश जब तक जीडीपी से विकास को मापेगा, बेहिसाब औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की होड़ रहेगी, तब तक पर्यावरण असंतुलन एवं गर्मी का प्रकोप ऐसे ही विनाश का कारण बनता रहेगा।

इस बार बढ़ती गर्मी ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिये हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। राजधानी दिल्ली के एक इलाके में अधिकतम पारा 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो देश के इतिहास का सबसे ज्यादा तापमान है। राजस्थान के चुरु और फलोदी आदि का पारा तो 50 के आसपास या ऊपर ही चल रहा है। जैसलमेर आदि स्थानों पर गर्मी इतने तेज है कि धरती तवे की तरह तप रही है, लोगों ने पापड़ सेक कर या आमलेट बनाते हुए दृश्य सोशल मीडिया पर दिखाये हैं। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर होते जा रहे है। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल हो रहा है। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा नहीं तो आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है।

> **इस बार बढ़ती गर्मी ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिये हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। राजधानी दिल्ली के एक इलाके में अधिकतम पारा 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो देश के इतिहास का सबसे ज्यादा तापमान है।**

जलवायु परिवर्तन का असर अब ज्यादा स्पष्ट तौर पर दिखने लगा है। अगर गर्मी पड़ रही है तो पिछले कई दशक के रिकॉर्ड तोड़ रही है। अगर बारिश हो रही है तो कुछ घंटों में ही पूरे मॉनसून की बरसात के बराबर पानी गिर रहा है। सर्दी भी साल-दर-साल नए रिकॉर्ड बना रही है। कुल मिलाकर हर मौसम अब अप्रत्याशित क्रूरतम रुख दिखा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, अल नीनो और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की दोहरी मार के कारण धरती के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इससे धरती पर मौजूद सभी जीव-जंतुओं, वनस्पति और इंसानों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। अनेक लोगों की भीषण गर्मी में जान चली गयी, बिहार की स्कूली छात्राएं बड़ी संख्या में बेहोश हो गयी। इन जटिल स्थितियों को देखते हुए गर्मी के मौसम में काम के घंटों का निर्धारण एवं स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों की अवधि मौसम की अनुकूलता के अनुरूप ही होनी चाहिए। आसन्न संकट को महसूस करते हुए दीर्घकालीन रणनीति, इस चुनौती से निपटने के लिये बनाने की जरूरत है।

दुनियाभर में अगले 20 साल के भीतर कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग में कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। एशिया के अलावा यूरोप व अमेरिकी देशों में भी तापमान में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहा है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगह धारा 144 लागू की गई है, जो इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। दिल्ली के अनेक इलाकों में बढ़ती गर्मी के साथ जल आपूर्ति एक बड़ी समस्या बनी हुई है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। जीवनदायक वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त में दे रखी है। पानी, हवा एवं प्यार और आज वे ही विवादास्पद, दूषित और झूठी हो गयी हैं। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

- ललित गर्ग

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि दुःख-सुख, पाप-पुण्य, दिन-रात, साधु-असाधु, सुजाति-कुजाति, दानव-देवता, ऊँच-नीच, अमृत-विष, सुजीवन (सुंदर जीवन)-मृत्यु, माया-ब्रह्म, जीव-ईश्वर, सम्पत्ति-दरिद्रता, रंक-राजा, काशी-मगध, गंगा-कर्मनाशा, मारवाड़-मालवा, ब्राह्मण-कसाई, स्वर्ग-नरक, अनुराग-वैराग्य (ये सभी पदार्थ ब्रह्मा की सृष्टि में हैं।) वेद-शास्त्रों ने उनके गुण-दोषों का विभाग कर दिया है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-जड़ चेतन गुन दोषमय बिस्व कीन्ह करतार।
संत हंस गुन गहहिं पय परिहरि बारि बिकार॥

विधाता ने इस जड़-चेतन विश्व को गुण-दोषमय रचा है, किन्तु संत रूपी हंस दोष रूपी जल को छोड़कर गुण रूपी दूध को ही ग्रहण करते हैं॥

अस बिबेक जब देइ बिधाता। तब तजि दोष गुनहिं मनु राता॥
काल सुभाउ करम बरिआई। भलेउ प्रकृति बस चुकइ भलाई॥

विधाता जब इस प्रकार का (हंस का सा) विवेक देते हैं, तब दोषों को छोड़कर मन गुणों में अनुरक्त होता है। काल स्वभाव और कर्म की प्रबलता से भले लोग (साधु) भी माया के वश में होकर कभी-कभी भलाई से चूक जाते हैं॥

सो सुधारि हरिजन जिमि लेहीं। दलि दुख दोष बिमल जसु देहीं॥
खलउ करहिं भल पाइ सुसंगू। मिटइ न मलिन सुभाउ अभंगू॥

भगवान के भक्त जैसे उस चूक को सुधार लेते हैं और दुःख-दोषों को मिटाकर निर्मल यश देते हैं, वैसे ही दुष्ट भी कभी-कभी उत्तम संग पाकर भलाई करते हैं, परन्तु उनका कभी भंग न होने वाला मलिन स्वभाव नहीं मिटता॥

(क्रमशः..)

कब तक हादसों का शिकार होते रहेंगे निर्दोष

राजनीतिक दल समस्या के जड़मूल से समाधान करने के बजाय कैसे घड़ियाली आंसू बहाते हैं, इसका उदाहरण दिल्ली के अस्पताल में और राजकोट के गेम जोन में हुई भीषण अग्नि दुर्घटनाएं हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब इस तरह के हादसों ने देश को झकझोर कर रख दिया हो। ये हादसे बताते हैं कि सरकारी तंत्र में किस हद तक भ्रष्टाचार और लापरवाही की जंग लग चुकी है। कानूनों में परिवर्तन के बावजूद ऐसी व्यवस्था नहीं की गई कि हादसे से पहले कानून का उल्लंघन करने से संभावित हादसों के लिए जिम्मेदारी तय की जा सके। इसके विपरीत सरकारें नए हादसों का इंतजार करती रहती हैं। ऐसे हादसे अपितु तो चुनावी मुद्दे बनते नहीं हैं, फिर भी कोई राजनीतिक दल इसका जिक्र करता है तो विपक्षी दल उसके शासन के दौरान हुए हादसों की फेहरिस्त थमा देता है। इससे जाहिर है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकता हादसे घटाने के लिए इंतजाम करने में नहीं है, बल्कि विरोधी दलों की असफलता गिनाने में है। दिल्ली के विवेक विहार स्थित न्यू बॉर्न बेबी केयर सेंटर में आग लगने से सात बच्चों की मौत हुई थी। वहीं, शाहदरा में एक चार मंजिला इमारत में लगी आग की घटना में तीन लोगों की मौत हुई थी। पुलिस के मुताबिक सुविधा में कोई अग्निशामक यंत्र या आपातकालीन निकास नहीं था। दुर्घटना के समय जो डॉक्टर ड्यूटी पर था, वह नवजात प्रोत्साहन देखभाल की आवश्यकता वाले नवजात शिशुओं का इलाज करने के लिए योग्य नहीं था। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय या डीजीएचएस द्वारा अस्पताल को जारी किया गया लाइसेंस दुर्घटना से लगभग दो महीने पहले ही 31 मार्च को समाप्त हो चुका था। इस अग्निकांड में अस्पताल के मालिक डॉ. नवीन खिची को कल गिरफ्तार कर लिया गया।

आग लगने के समय ड्यूटी पर मौजूद एक अन्य डॉक्टर को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इसी तरह गुजरात के राजकोट में एक गेम जोन में आग लगने की घटना में 12 बच्चों समेत कुल 27 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति बीरेन वैष्णव और न्यायमूर्ति देवन देसाई की पीठ ने इस हादसे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि इस तरह के गेम जोन जरूरी मंजूरी लिए बिना बनाए गए हैं। साथ ही हादसे को लेकर कहा कि यह प्रथम दृष्टया मानव निर्मित आपदा है। इससे पहले भी ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति अलग-अलग स्थानों पर होती रही है। 30 अक्टूबर 2022 को गुजरात के मोरबी ब्रिज त्रासदी में 135 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से ज्यादातर महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग थे। 137 साल पुराना सस्पेंशन ब्रिज मरम्मत के बाद पांच दिन पहले ही फिर से खुला था। मोरबी पुल की मरम्मत में जिन सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया था, उनकी गुणवत्ता घटिया थी। इस वजह से पुल की संरचना ही कमजोर बनी। 143 वर्ष पुराने इस पुल का किसी ने कभी संरचनात्मक ऑडिट तक भी नहीं किया था। इस सस्पेंशन ब्रिज के कई केबलों पर जंग लग चुका था, जिस वजह से उनकी भार उठाने की क्षमता पहले के मुकाबले कम हो गई थी। पुल को देखने आए लोगों को किसी आपात स्थिति में बचाने के लिए यहां कोई इंतजाम पहले से नहीं था। इस ब्रिज की मरम्मत को लेकर भी कंपनी के पास कोई कागजात नहीं थे। कंपनी को पुल के मरम्मत का काम दिसंबर तक करने का समय दिया गया था, लेकिन उसने इसे जल्दी खोल दिया। मोरबी पुल हादसे से पहले गुजरात के सूरत के सरथाना इलाके में एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से कम से कम 22 छात्रों की मौत और कई अन्य घायल हो गए थे। यह कोचिंग सेंटर तक्षशिला कॉम्प्लेक्स की तीसरी और चौथी मंजिल पर स्थित था। इस कोचिंग सेंटर में ज्यादातर किशोर थे। सभी छात्रों की मौत दम घुटने या कॉम्प्लेक्स से कूदने के कारण हुई।

अग्नि या दूसरी दुर्घटनाओं के प्रति सरकारों की गैर जिम्मेदारी का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि देश की राजधानी दिल्ली में इस साल अब तक आग से 55 लोगों की मौत हो गई और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। वर्ष 2023 में इसी अवधि के दौरान 36 लोगों की जान गई थी। देश में पांच साल में 50 हजार से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। वर्ष 2021 में आगजनी की 8491 घटनाएं दर्ज हुई हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के मुताबिक 2017 से लेकर 2021 तक पांच साल में आग लगने की 55 हजार 353 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें 54 हजार 280 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 4348 आगजनी की घटनाएं रिहायशी इलाकों और इमारतों में हुईं। इसके बाद कॉमर्शियल इमारतों में 274, गाड़ियों में 241 घटनाएं हुईं। राहत की बात है कि साल दर साल आग लगने की घटनाओं और मृतकों की संख्या में गिरावट हो रही है। इसी साल आग लगने की कुल घटनाओं में से कम से कम चार घटनाएं ऐसी थीं, जो अस्पतालों में हुई थीं। दिल्ली, मुंबई, जबलपुर और हैदराबाद के अस्पतालों में हुए इन हादसों में नौ लोगों की जान गई थी। इनमें से आठ लोगों की जान जबलपुर के न्यू लाइफ मल्टी स्पेशियलिटी हास्पिटल में हुए हादसे में गई थी। पिछले साल जून में प्रकाशित रिपोर्ट जर्नल ऑफ फेल्योर एनालिसिस एंड प्रेवेंशन के मुताबिक इस हादसे और मौतों के पीछे की मुख्य वजह यह थी कि अस्पताल में इमरजेंसी की हालत में बाहर निकलने के लिए केवल एक ही रास्ता बनाया गया था और वह भी पर्याप्त यानी 3.6 मीटर चौड़ा नहीं था, जो फायर सर्विस की गाड़ियों के आने-जाने के लिए उपयुक्त होता। इसी रिपोर्ट में बताया गया कि 2023 में झारखंड के धनबाद में आरसी हाजरा मेमोरियल अस्पताल में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की एक बड़ी घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी साल गुजरात के अहमदाबाद में हनी चिल्ड्रंस हास्पिटल में आग लगने के हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई थी। देश के उत्तर-पश्चिमी और केंद्रीय हिस्सों में बसे शहरों में नीतिगत विसंगतियों और अनियंत्रित शहरीकरण के चलते आग लगने की घटनाएं असामान्य नहीं हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों में बिल्डिंगों में आग की घटनाओं की मुख्य वजह रिकॉर्डतोड़ गरमी है। बहुत तेज गरमी एयर कंडीशनर यानी एसी के सिस्टम पर प्रतिकूल असर डालती है। पिछले दो-तीन दिनों में एसी के कम्प्रेशरों में आग लगने की कई घटनाएं हुई हैं। ये उसके बहुत तेज गरम होने और ओवरलोड होने के चलते हुईं। दिल्ली में बिजली की मांग 8300 मेगावाट तक पहुंच गई है, जो कि इस क्षेत्र के इतिहास में सर्वाधिक है। विशेषज्ञों के मुताबिक जब बिजली की मांग ज्यादा होती है, तो उसी हिसाब से ओवरलोडिंग बढ़ती है, जिसके चलते कुछ ट्रांसफॉर्मरों में आग लग जाती है।

-योगेंद्र योगी

राशिफल

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष : द्वादशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भरपूर शुभता बनी हुई है। स्वास्थ्य बहुत अच्छा है। प्रेम, संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। व्यापार भी बहुत अच्छा चल रहा है।

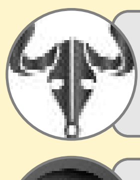

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
खर्च की अधिकता रहेगी। यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा फिर भी थोड़ा मन परेशान रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। यात्रा में लाभ होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा। सबकुछ बहुत अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। रुका हुआ कार्य चलने लगेगा। भाग्य साथ देगा।

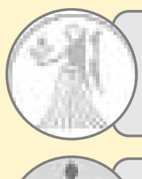

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
परिस्थितियां थोड़ा प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। बचकर पार करें।

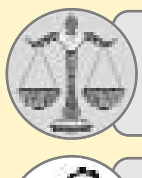

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। गुण ज्ञान की प्राप्ति होगी।

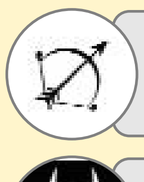

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
विद्यार्थियों के लिए अति उत्तम समय। अच्छा निर्णय लेंगे। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान का साथ है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी संभव है। घर में थोड़ा सा माहौल एग्रेसिव रहेगा। फिर भी बहुत अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान का साथ है। व्यापार अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंब में वृद्धि होगी। लक्ष्मी योग का निर्माण हो रहा है। शुभता के प्रतीक बने रहेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

गाजियाबाद के होटल में चल रहा था देह व्यापार, 4 गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले के शक्तिखंड चार स्थित एक होटल में देह व्यापार की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने मौके से चार युवकों को आपत्तिजनक वस्तुओं के साथ गिरफ्तार करते हुए, तीन महिलाओं को मुक्त कराया गया। महिलाओं से डरा-धमकाकर होटल संचालक देह व्यापार करा रहा था। कार्रवाई के दौरान होटल मालिक छत के रास्ते फरार हो गया। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि डायल 112 हेल्पलाइन के जरिए सूचना मिली कि शक्तिखंड चार स्थित होटल क्यूबी इन में महिलाओं को बहला-फुसलाकर देह व्यापार कराया जा रहा है।

मामला संज्ञान में आते ही एसीपी इंदिरापुरम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शनिवार रात छापा मारा। छापे के दौरान पुलिस टीम ने लक्ष्य निवासी अशोक नगर दिल्ली, अविनाश निवासी गौतमबुद्धनगर, राहुल कुमार निवासी विवेक विहार दिल्ली व गौरव यादव निवासी शिवपुरी विजयनगर को गिरफ्तार कर लिया। चारों आरोपी कमरों में महिलाओं के साथ आपत्तिजनक हालत में मिले। कुछ ऐसी ही चीजें भी मिली हैं, जिन्हें जब्त किया गया है। होटल संचालक आनंद कुमार छत के रास्ते फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि होटल में नौकरी की तलाश में आने वाली महिलाओं को होटल संचालक अपनी बातों में उलझाने और बहला-फुसलाकर उनकी कुछ आपत्तिजनक वीडियो बना लेता था। फिर इन्हें वायरल करने की धमकी देते हुए उन्हें देह व्यापार के धंधे में लगा देता था। उक्त महिलाओं को ग्राहकों से वसूले गए पैसों में से 15-20 फीसदी हिस्सा ही दिया जाता था।

पुलिस जांच में सामने आया कि यह होटल कुछ दिन पहले ही खोला गया था। आबादी के बीच छोटे से मकान में चल रहे इस होटल को लेकर स्थानीय लोगों ने शुरुआत में विरोध किया था, लेकिन संचालक नहीं माना। लोगों का कहना है कि यहां दिन भर युवक-युवती आते-जाते रहते थे, जिससे माहौल खराब हो रहा था। इससे लोग काफी परेशान थे। इस बारे में सोशल मीडिया पर भी लोगों ने शिकायत की थी। एसीपी का कहना है कि मुख्य आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

फूफा ने पैसों के लेन-देन को लेकर भतीजे को मारी गोली

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना वेव सिटी क्षेत्र के बम्हेटा गांव में स्थित हरपाल कॉलोनी में फूफा ने पैसों के हिसाब को लेकर भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी। शव मिलने के बाद मृतक के परिवार में हड़कंप मच गया। गाजियाबाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। गाजियाबाद पुलिस ने मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गाजियाबाद के थाना वेव सिटी क्षेत्र के बम्हेटा गांव में स्थित हरपाल कॉलोनी के पास मृतक अमल सिंह (38वर्ष) की उसके फूफा जिले सिंह ने गोली मारकर हत्या कर दी। स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी, मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जिले सिंह मृतक अमल सिंह का फूफा है। जिले सिंह साहिबाबाद मंडी में आढ़ती का काम करता है। अमल सिंह अपने फूफा जिले सिंह की दुकान पर मुनीम के रूप में काम करता था।

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी ग्रामीण विवेक यादव ने बताया कि अमल सिंह और जिले सिंह के बीच में पिछले 6 महीना से रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। रविवार शाम को अमल सिंह अपने प्लॉट पर निर्माण कार्य कर रहा था तभी रात 8.00 बजे जिले सिंह अपने बेटे अतुल यादव के साथ मौके पर पहुंचे काफी देर तक दोनों के बीच बहस हुई। इसके बाद जिले सिंह ने अपने बेटे और कुछ लोगों के साथ मिलकर अमल पर गोलियां बरसा दी। अमल सिंह की मां जावित्री ने पुलिस में चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। डीसीपी विवेक यादव ने बताया कि जिले सिंह और उसके बेटे को हिरासत में ले लिया गया है। गाजियाबाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में स्कूलों की मनमानी

बीएसए के सत्यापन को फर्जी बताकर नहीं दे रहे प्रवेश

नोएडा। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत आरक्षित 25 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश देने में निजी स्कूलों की मनमानी जारी है। स्कूल बेसिक शिक्षा विभाग के सत्यापन को ही गलत बता प्रवेश से अपना पल्ला झाड़ रहा है। परेशान अभिभावक बीएसए कार्यालय और स्कूल के बीच चक्कर काट रहे हैं। अभी जारी तीनों लॉटरी के तहत प्रवेश की अंतिम तिथि बीत चुकी है, लेकिन जिले में केवल 43 प्रतिशत ही छात्रों को ही प्रवेश मिल पाए हैं। प्रवेश न लेने वाले स्कूलों पर सख्त कार्रवाई नहीं होने से वर्ष दर वर्ष उनकी मनमानी बढ़ती जा रही है। जिले में बीते वर्ष भी लगभग 70 प्रतिशत छात्रों के ही प्रवेश हो पाए थे।

इस सत्र में अब तक तीन लॉटरी जारी हो चुकी है। चौथी के लिए आवेदन प्रक्रिया शनिवार से शुरू हुई है। विभाग ने तीनों चरण में 11,303 आवेदनों के सत्यापन के बाद 4786 सीट आवंटित की थी। अब तक इनमें से लगभग 2100 सीटों पर ही प्रवेश हो पाया है।

आरटीई के तहत ऑनलाइन आवेदन के बाद बीएसए विभाग द्वारा सभी अर्हता प्रमाण पत्रों की जांच की जाती है। उसके बाद वैध प्रमाणपत्र वाले आवेदकों को ही सीट आवंटित की जाती है, लेकिन स्कूलों आवेदकों की अर्हता पर अलग-अलग सवाल खड़े कर प्रवेश करने से मना कर दे रहे हैं।

ज्यादातर स्कूल अपने स्तर पर जांच भी करा रहे हैं। इसमें स्कूल आय अधिक होने, स्कूल से दूरी अधिक होने, बच्चे की उम्र ज्यादा होने जैसे कारण गिना रहे हैं, जबकि इन सभी मानकों की जांच के बाद ही विभाग अभिभावकों स्कूल आवंटित करता है। इसके बाद भी स्कूल नहीं मान रहे हैं। कई मामलों में विभाग की तरफ दोबारा निर्देश जारी होने के बाद भी स्कूल प्रवेश नहीं द रहे हैं। स्कूलों पर विभाग की तरफ से सख्त कार्रवाई नहीं होने से अभिभावकों की प्रवेश की आस टूटती जा रही है।

सर्फाबाद के रहने वाले अमर पाल यादव के बेटे इंडियन ग्लोबल स्कूल सेक्टर-71 आवंटित हुआ था। उन्होंने बताया कि कई बार स्कूल गए, लेकिन प्रवेश नहीं मिला। उसके बाद बीएसए कार्यालय गए। वहां से कुछ नहीं हुआ। बाद में डीएम के पास भी शिकायत लेकर गए। उनके निर्देश के बाद विभाग ने स्कूल को आदेश जारी किया, लेकिन फिर भी प्रवेश नहीं मिला।

सेक्टर-9 में रहने वाली रजिया ने बताया कि उनकी बेटी को दिल्ली पब्लिक स्कूल सेक्टर-30 आवंटित हुआ था। पहले दिन से लगातार स्कूल के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन प्रवेश नहीं मिल रहा है।

बीच में स्कूल ने कहा की हम देखते हैं, लेकिन फिर मना कर दिया। वह इसको लेकर बीएसए कार्यालय में भी शिकायत कर चुकी है, लेकिन प्रवेश नहीं हो पाया है।

कई स्कूलों का दावा है कि बीएसए विभाग से सीट आवंटित होने के बाद जब उन्होंने जांच कराई तो अभिभावकों के पास आय से अधिक संपत्ति के साक्ष्य मिले हैं, जबकि अभिभावकों ने आय प्रमाणपत्र जमा किया है। ऐसे में सवाल उठता है क्या अभिभावक फर्जी आय प्रमाणपत्र जमा किए हैं या विभाग की तरफ से सत्यापन में लापरवाही बरती गई है। हालांकि, अंत में अभिभावकों को इसका नुकसान उठाना पड़ रहा है।

अपर राज्य परियोजना निदेशक मधुसूदन हुल्गी ने सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को शत प्रतिशत आवेदन कराने के निर्देश दिए हैं। अगर कोई अभिभावक मनचाहा स्कूल न मिलने पर मना करता है तो विभाग को उससे लिखित शपथ पत्र लेना होगा। शेष सभी का प्रवेश अनिवार्य रूप से कराने को कहा गया है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने बताया कि आरटीई के तहत आवंटित सभी सीटों पर प्रवेश होंगे, जो स्कूल प्रवेश में आनाकानी कर रहे हैं। उनको निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद भी प्रवेश नहीं लेते हैं तो ठोस कार्रवाई की जाएगी। स्कूलों को कोई आपत्ति है तो वही सीधे विभाग से संपर्क करें।

मसूरी गंगनहर में युवक ने लगाई छलांग, मिला सुसाइड नोट

गाजियाबाद। विवेकानंद नगर में रहने वाले युवा कारोबारी ने घर पर सुसाइड नोट छोड़कर मसूरी गंगनहर में छलांग लगा दी। गहरे पानी में कारोबारी बह गया। नहर के पास कार लावारिस हालत में खड़ी देखकर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। पुलिस का कहना है कि स्थानीय गोताखोरों की मदद से कारोबारी की तलाश की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक विवेकानंद नगर में रहने वाले 36 वर्षीय कपिल शर्मा इलेक्ट्रिकल पार्ट्स की ट्रेडिंग का कारोबार करते हैं। छोटे भाई ललित शर्मा ने बताया कि कपिल शर्मा शनिवार दोपहर करीब एक बजे घर से गाड़ी लेकर निकले थे। काफी देर तक वापस नहीं लौटे तो मोबाइल मिलाया, लेकिन वह बंद मिला। कमरे की तलाशी लेने पर मोबाइल तकिये के नीचे रखा मिला। परिजन कपिल शर्मा की तलाश कर ही रहे थे कि मसूरी थाने से उनकी कार गंगनहर के पास लावारिस खड़ी होने की सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे तो कार ललित शर्मा की थी, लेकिन उनका कुछ पता नहीं था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि कपिल शर्मा गंगनहर में कूदे और गहरे पानी में बह गए।

भाई ललित शर्मा का कहना है कि उनके भाई ने 28 मई को सुसाइड नोट लिखा था। सुसाइड नोट लिखकर वह मुरादनगर गंगनहर पर आत्महत्या करने चले गए थे। लेकिन उससे पहले उन्होंने अपने एक दोस्त को फोन किया था। सुसाइड नोट मिलने पर परिजन दोस्त को पहले ही बता चुके थे, लिहाजा दोस्त ने परिजनों को बुला लिया और कपिल शर्मा को साथ ले गए। इसके बाद परिजन उनकी काउंसलिंग कर रहे थे। शनिवार को कपिल शर्मा फिर से आत्महत्या के इरादे से मसूरी गंगनहर पहुंच गए।

ललित ने बताया कि उनके भाई की साल 2022 में शादी हुई थी लेकिन पारिवारिक विवाद के चलते दोनों के तलाक का केस चल रहा था। इस बीच कपिल का एक अन्य महिला के साथ अफेयर शुरू हो गया।

महिला ने कपिल से झूठ बोला था कि उसकी शादी नहीं हुई है जबकि वह खुद दो बच्चों की मां थी और उसका भी उसके पति के साथ तलाक का केस चल रहा था। ललित ने कहा कि कपिल ने सुसाइड नोट में अपनी पत्नी और दूसरी महिला पर गंभीर आरोप लगाए थे।

कलेक्शन एजेंट ने रची थी लूट की साजिश, मुठभेड़ में हुआ लंगड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 थाना क्षेत्र में 2 जून को हथियारों के बल पर कलेक्शन एजेंट से हुई 9 लाख की लूट के मामले में स्वाट और बीटा 2 थाने के पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है, हथियार और लूट की रकम की बरामदगी के दौरान पुलिस से हुई मुठभेड़ में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है बदमाशों की कब्जे से लूट के 9 लाख रकम बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार कलेक्शन एजेंट ने ही अपने साथियों के साथ लूट की पूरी साजिश रची थी। एडिशनल डीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस के साथ हुए मुठभेड़ घायल बदमाश का नाम चन्दन है उसे पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। चंदन ने अपने साथियों संतोष कुमार और नितेश शर्मा के साथ मिलकर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इस साजिश कलेक्शन एजेंट संतोष कुमार भी शामिल था।

अश्लील वीडियो भेजकर अधेड़ से ठगी

दनकौर। पारसौल गांव निवासी अधेड़ से महिला ने 20 हजार रुपये हड़प लिए। पीड़ित का कहना है कि आरोपी महिला ने अश्लील वीडियो भेजकर उसको झांसे में लिया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पारसौल गांव निवासी अधेड़ का कहना है कि शनिवार को सोशल मीडिया के एक प्लेटफार्म पर अज्ञात महिला का वीडियो कॉल आई। कॉल रिसीव करते ही नग्न महिला बात करने लगी। इसके बाद ही उन्होंने कॉल काट दी। आरोप है कि कुछ देर बाद ही महिला ने उसके सोशल मीडिया अकाउंट पर अश्लील वीडियो भेज दिया और बदनाम करने की धमकी देने लगी। बदनामी के डर से पीड़ित ने महिला के बताए बैंक खाते में 20 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। आरोप है कि इसके बावजूद भी आरोपी 30 हजार रुपये की मांग कर रही है। पीड़ित व्यक्ति ने रविवार को कोतवाली की साइबर सेल में पहुंचकर अज्ञात महिला खिलाफ शिकायत दी है। साइबर सेल प्रभारी सुरेंद्र सिंह का कहना है कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पृष्ठ एक के शेष....

मतगणना का...

तेजी तब आएगी, जब सरकार अपनी पहली 100 दिवसीय योजनाओं की घोषणा करेगी। संभावना है कि बाजार बंद होने तक मुनाफावसूली हो सकती है। अगर कल के नतीजे एग्जिट पोल के करीब रहे, तो बाजार में तेजी जारी रहेगी।

देश में टोल टैक्स...

बदलाव थोक मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में बदलाव से जुड़ी दरों को संशोधित करने की वार्षिक कवायद का हिस्सा है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब 855 टोल प्लाजा हैं, जिन पर राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों का निर्धारण और संग्रह) नियम, 2008 के अनुसार शुल्क लगाया जाता है। इनमें से 675 सार्वजनिक वित्त पोषित टोल प्लाजा हैं। जबकि 180 रियायतग्राहियों द्वारा संचालित हैं।

टोल दरों में बढ़ोतरी के बाद दिल्ली से मेरठ और दिल्ली से हापुड़ तक के सफर के लिए लगभग आठ रुपये ज्यादा चुकाने पड़ सकते हैं, जबकि गाजियाबाद से अलीगढ़ के बीच लुहारली टोल पर सात रुपये ज्यादा चुकाने पड़ सकते हैं।

दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-हापुड़ एक्सप्रेसवे और गाजियाबाद-अलीगढ़ हाईवे पर टोल वसूलने की जिम्मेदारी निजी कंपनियों पर है। अनुबंध के मुताबिक हर साल टोल शुल्क में बढ़ोत्तरी का प्रावधान है लेकिन टोल दरें तय करने का अधिकार इन कंपनियों को नहीं है बल्कि एनएचएआई खुद दरें निर्धारित करता है।

भाजपा ने झूठे आंकड़ों...

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने अपनी पार्टी में अपराधियों को शामिल किया। केंद्र सरकार किसानों के लिए तीन काले कानून लाई थी। बीजेपी ने किसानों की जमीनें हड़पने की कोशिश की, उनका कर्ज माफ नहीं किया। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने विकास के झूठे आंकड़े देकर जनता को ठगा है। उन्होंने कहा कि नौजवान एक बार फिर कह रहा है 'मेरा रंग दे बसंती चोला'। शेयर मार्केट को लेकर सपा प्रमुख ने दावा किया, 'कुछ लोगों को मुनाफा कमवाने के लिए शेयर मार्केट बढ़ा है। उनको पता है कि वे जा रहे हैं।'

नतीजों से पहले...

बाजारों में भी लागू हो गई है। कंपनी ने आखिरी बार फरवरी 2023 में अपने तरल दूध की कीमतों में बदलाव किया था।

मदर डेयरी ने बयान में कहा कि वह तीन जून 2024 से सभी बाजारों में अपने तरल दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की वृद्धि कर रही है। उपभोक्ता मूल्य में वृद्धि मुख्य रूप से उत्पादकों को बढ़ी हुई उत्पादन लागत की भरपाई के लिए की गई है। इसमें पिछले एक साल से अधिक समय से बढ़ोतरी देखी जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में मदर डेयरी का फुल क्रीम दूध अब 68 रुपये प्रति लीटर, जबकि टोंड 56 रुपये और डबल टोंड दूध 50 रुपये प्रति लीटर की दर से उपलब्ध होगा। भैंस के दूध की कीमत 72 रुपये और गाय के दूध की कीमत 58 रुपये प्रति लीटर होगी। टोकन दूध (थोक विक्रय दूध) 54 रुपये प्रति लीटर पर बेचा जाएगा। इससे पहले गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने बताया था कि दूध के संचालन और उत्पादन की कुल लागत में वृद्धि के मद्देनजर सोमवार से सभी प्रकार के अमूल दूध की कीमत में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी की गई। इससे देशभर के सभी बाजारों में अमूल दूध पाउच की कीमत दो रुपये प्रति लीटर तक बढ़ जाएगी।

अमूल ब्रांड के तहत दूध और डेयरी उत्पादों का विपणन जीसीएमएमएफ करती है। जीसीएमएमएफ के प्रबंधन निदेशक जयन मेहता ने कहा कि अमूल ब्रांड के तहत सभी प्रकार के दूध की कीमत में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी की गई है। पिछली बार जीसीएमएमएफ ने दूध की कीमत फरवरी 2023 में बढ़ाई थी। मेहता ने कहा कि किसानों को उनकी बढ़ी हुई उत्पादन लागत की भरपाई के लिए यह वृद्धि जरूरी है।

डिवाइडर से टकराई...

हादसे में (25 वर्षीय) अज्ञात युवक की मौत हो गई है। पुलिस शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। थाना ईकोटेक-तीन क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में नवनीत नामक महिला की मौत हो गई है। जनपद बुलंदशहर में हुए एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल सुमित शर्मा को उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां पर उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई है।

नोएडा की कंपनी...

शॉर्ट सर्किट से ग्राउंड फ्लोर में आग लग गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने ग्राउंड फ्लोर पर लगी आग पर काबू पाया तभी कंपनी के तीसरे तल पर स्थित अंतरमणी सतसंग भवन में रखे एलपीजी सिलेंडर में गर्मी के चलते ब्लास्ट हो गया जिससे सतसंग भवन में भी आग लग गई। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

गौतमबुद्धनगर में...

स्थित फूल मंडी और दो विधानसभा सीट खुर्जा तथा सिकंदराबाद की मतगणना जनपद बुलंदशहर में होगी। पुलिस और जिला प्रशासन ने मतगणना के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं।

मतों की गणना मंगलवार (मंगलवार 4 जून) सुबह आठ बजे से शुरू होगी। पहला रुझान नौ बजे तक आएगा। गौतमबुद्धनगर के तीन विधानसभा नोएडा, दादरी और जेवर व बुलंदशहर जिले की सिकंदराबाद व खुर्जा विधानसभा क्षेत्र के मतों की गणना एक साथ होगी। पांच विधानसभा क्षेत्र में मतगणना का पहला चरण पूरा होने के बाद ही पहला रुझान जारी किया जाएगा।

आपको बता दें कि गौतमबुद्धनगर संसदीय क्षेत्र के लिए दूसरे चरण में 26 अप्रैल को वोट डाले गए थे। इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी डा. महेश शर्मा, इंडिया गठबंधन प्रत्याशी डा. महेंद्र नागर, बसपा उम्मीदवार राजेंद्र सिंह सोलंकी समेत कुल 15 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला मतदाताओं ने किया था। गौतमबुद्धनगर सीट पर 53.66 प्रतिशत मतदान हुआ था। फूल मंडी में बने सील बंद स्ट्रांग रूम से कल सुबह ईवीएम को निकाला जाएगा। प्रत्याशी या उनके प्रतिनिधि की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम की सील खोली जाएगी। इसके बाद ईवीएम को मतगणना के लिए टेबल पर ले जाया जाएगा। इसके लिए अलग से कारिडोर बनाया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि नोएडा व दादरी विधानसभा क्षेत्र के मतों की गणना के लिए 21-21 टेबल लगाए जाएंगे। जबकि जेवर के लिए 14 टेबल लगाई जाएंगी। नोएडा विधानसभा के मतगणना के 36 व दादरी विधानसभा के मतों की गणना के लिए 34 चरण होंगे। जेवर के मतों की गणना 29 चरण में होगी। खुर्जा और सिकंद्राबाद विधानसभा क्षेत्र के मतों की गणना 31-31 चरण में होगी। सबसे पहले जेवर विधानसभा के मतों की गणना समाप्त होगी।

मतगणना स्थल पर सुरक्षा के मद्देनजर केवल आबजर्वरों के वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। साफ-सफाई, पीने का पानी, भोजन की व्यवस्था, विद्युत, प्रकाश, टेंट, कुर्सियां, फर्नीचर, कूलर और पंखों की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कम्युनिकेशन सेंटर, पब्लिक कम्युनिकेशन सेंटर और मीडिया सेंटर भी बनाए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि बढ़ते तापमान को देखते हुए मतगणना स्थल पर सभी मूलभूत सुविधाओं की उचित व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए।

48 लाख खर्च...

ऐसे में इस तबके को सुविधा देने के लिए लेबर सेंटर बनाने का निर्णय लिया गया है।

सेक्टर-49 चौराहे के पास लेबर सेंटर बनाने का निर्णय लिया गया है। इस लेबर सेंटर में मजदूरों के लिए कुर्सियां लगाई जाएंगी। मजदूरों के लिए पंखे के अलावा पानी पीने की भी व्यवस्था होगी। सेक्टर-49 चौराहे पर ही मजदूरों को खाना खिलाने की व्यवस्था जल्द प्राधिकरण शुरू करने जा रहा है। इसके लिए प्राधिकरण एक-दो एनजीओ से संपर्क कर रहा है। जो जल्द फाइनल हो जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि ट्रायल के तौर पर शुरुआत में कुछ दिन तक मुफ्त में खाना खिलाया जाएगा। इसके बाद न्यूनतम शुल्क तय कर दिया जाएगा।

सीईओ डा. लोकेश एम के निर्देश पर नोएडा प्राधिकरण की टीम ने सहारनपुर में मजदूरों के लिए चल रही रसोई की व्यवस्था देखी थी।

अब आप नोएडा...

इस पार्क को बनाने वाली कंपनी ही इसका संचालन और मेंटेनेंस करेगी। पार्क में आने वाले लोगों के लिए टिकट रखा जाएगा जिसका 50-50 प्रतिशत राजस्व की हिस्सेदारी होगी।

पार्क में सभी पर्यावरण से संबंधित जानवरों को रखा जाएगा। एनसीआर का पहला पार्क होगा जिसमें ई कार्ट के जरिए जंगल नाइट सफारी होगी पार्क में जल, मरुस्थल, बर्फ और घने जंगलों में रहने वाले 800 जानवरों को बनाया जाएगा। फूड कोर्ट होगा, किड्स एरिया बनाया जाएगा, पिकनिक स्पॉट होगा। वेस्ट के जरिए आउटडोर फर्नीचर, आउट डोर लाइटिंग और शॉप बनाई जाएगी।

4 लाख से अधिक...

भी कलई खुल जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किए गए अभूतपूर्व विकास कार्यों के कारण केंद्र में तीसरी बार भाजपा नीत एनडीए की सरकार बनने जा रही है तथा नरेन्द्र मोदी तीसरी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। वहीं गौतमबुद्धनगर में डॉ. महेश शर्मा काफी अधिक मतों के अंतर से हैट्रिक लगाएंगे।

संबंध-विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं प्रमोद पुत्र श्री श्यौदान सिंह (60 वर्ष), श्रीमती कृष्णा पत्नी प्रमोद निवासी-ग्राम समाउद्दीनपुर, थाना दादरी, तहसील-दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर (उत्तर प्रदेश) मेरा पुत्र दुष्यंत गलत लोगों के संगत में पड़ गया है। हमारी बात को नहीं मानता है। घर पर आए दिन लड़ाई झगड़ा करता है। उसके इन्हीं हरकतों से मैं और मेरा परिवार काफी तंग व परेशान है। इसलिए मैं अपने पुत्र दुष्यंत से संबंध-विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं। आज के बाद मेरा पुत्र दुष्यंत किसी से लेनदेन करता है या उसके किसी भी कृत्य के लिए वह खुद जिम्मेदार होगा। मैं और मेरे परिवार का दुष्यंत के किसी भी कृत्य के लिए कोई भी जिम्मेदारी नहीं होगी।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राकेश कुमार शर्मा पुत्र स्व0 श्रीनिवास, प्रार्थी का पुत्र वरूण कौशिक व उसकी पत्नी स्वेता आये दिन प्रार्थी के साथ अभद्र व्यवहार करते है और प्रार्थी के कहे अनुसार नहीं चलते है और प्रार्थी से अभद्र भाषा का प्रयोग करते है एवं अमानवीय व्यवहार करते है। प्रार्थी ने अपने पुत्र वरुण कौशिक व उसकी पत्नी स्वेता को काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन वरूण कौशिक व उसकी पत्नी स्वेता समझने को तैयार नहीं है। वरूण कौशिक व उसकी पत्नी स्वेता के इन्हीं कृत्यों से दुखी होकर प्रार्थी अपने पुत्र वरूण कौशिक व उसकी पत्नी स्वेता से सम्बन्ध-विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है। वरूण कौशिक व उसकी पत्नी के किसी भी कृत्य के लिए प्रार्थी या प्रार्थी का परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। उनके किसी भी कृत्य के लिए वह लोग खुद जिम्मेदार होंगे।

प्रार्थी
राकेश कुमार शर्मा पुत्र स्व0 श्रीनिवास, निवासी भंगेल नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)।
मो0 न0- 9811411334

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

मोतीसंस ज्वेलर्स लिमिटेड का वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 258 प्रतिशत बढ़ा

जयपुर, एजेंसी। एक प्रमुख ज्वेलरी रिटेलर, मोतीसंस ज्वेलर्स लिमिटेड मोतीसंस , बीएसई और एनएसई = इन्योफ्को 01012) ने वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की रिपोर्ट दी है. वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही की कुल आय 29.03 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 117.00 करोड़ हुई .एबिटडा 93.32 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 17.97 करोड़ हुआ .एबिटडा मार्जिन 511 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 15.36 प्रतिशत हुई .कर बाद लाभ 257.88 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 10.77 करोड़ हुआ .कर बाद लाभ मार्जिन 590 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 9.22 प्रतिशत हुई .ईपीएस 139.13 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 1.10 हुई वित्त वर्ष 24 की कुल आय 13.73 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 417.18 करोड़ हुई .एबिटडा 28.53 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 63.75 करोड़ हुआ .एबिटडा मार्जिन 176 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 15.28 प्रतिशत हुई . कर बाद लाभ 45.21 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 32.20 करोड़ हुआ . कर बाद लाभ मार्जिन 167 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 7.73 प्रतिशत हुई . ईपीएस 25.73 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 4.30 हुई वित्त वर्ष 2024 के दौरान दीर्घकालिक कर्ज गत वर्ष के 12.89 करोड से घटकर 0.91 करोड और अल्पकालीन कर्ज गत वर्ष के 151.65 करोड से घटकर 107.94 करोड़ होने से हमने शानदार वित्तीय परिणाम दर्ज किया.क कंपनी दिसंबर 2023 के महीने में 151 करोड़ के आईपीओ के साथ एनएसई और बीएसई पर लिस्ट हुई. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए मोतीसंस ज्वेलर्स लिमिटेड के चेयरमैन/पूर्णकालिक डायरेक्टर, श्री संदीप छाबरा ने कहा, हम सहर्ष हमारे प्रोडक्ट की जोरदार मांग के चलते उल्लेखनीय ग्रोथ ट्रांजैक्ट्री की रिपोर्ट देते है.इसके अलावा हमारे विवाह आत्मक और सख्त लागत नियंत्रण उपायों के कारण लाभ मार्जिन में प्रभावशाली वृद्धि हुई जिससे वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में हमारी बॉटम लाइन में 258 प्रतिशत की वृद्धि हुई. ये व्यूहात्मक कदम हमारे स्टेकधारकों के लिए दीर्घकालीन वैल्यू क्रिएशन सुनिश्चित करते हुए हमारे ग्रोथ मोमेंटम को बरकरार रखने और हमारी बाजार उपस्थिति बढ़ाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं.

एवीजी लॉजिस्टिक्स के वित्त वर्ष 24 में कर बाद लाभ में 283 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई, 30 मई, 2024 = एक प्रमुख मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशन प्रदाता, एवीजी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड (बीएसई क्क्ठ43910, एनएसई क्क्एवीजी) ने वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए एबीजी लॉजिस्टिक लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, श्री संजय गुप्ता ने कहा, हम सहर्ष समीक्षाधीन तिमाही में हासिल किए गए प्रभावशाली वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा करते हैं. आय, एबिटडा और कर बाद लाभ में पर्याप्त वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ एवीजी लॉजिस्टिक्स उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करती है.उल्लेखनीय भारतीय रेलवे कांटेक्ट का प्राप्त होना हमारे व्यूहात्मक दीर्घकालीन विजन की कसौटी है. उच्च गुणवत्ता के कोल्ड चैन वाहनों का हमारा हाल का अधिग्रहण हमारी क्षमताओं को और प्रमाणित करता है और हमारे ग्राहकों को श्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करने के प्रति हमारे समर्पण को भी दर्शाता है. अब इलेक्ट्रिक वाहन और एलएनजी फ्लीट का अपनाया जाना हमारे टिकाऊपन के उद्देश्यों के अनुरूप है और जिम्मेदार बिजनेस पद्धतियों के प्रति एवीजी की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करता है. इनोवेशन और पर्यावरणीय जागरूकता पर फोकस के साथ कंपनी का उद्देश्य पर्यावरण अनुकूल लॉजिस्टिक्स के लिए नए मानक स्थापित करना और शुद्ध जीरो एमिशन के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के साथ क्लीनर और अधिक टिकाऊ उद्योग की दिशा में मार्गदर्शन करना है.

मई में जीएसटी संग्रह 10 प्रतिशत बढ़कर 1.73 लाख करोड़ रुपये हुआ

नईदिल्ली, एजेंसी। आयात में गिरावट के बावजूद घरेलू लेनदेन से राजस्व में मजबूत वृद्धि के कारण सकल जीएसटी संग्रह मई, 2024 में सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़कर करीब 1.73 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। हालांकि, यह अप्रैल के रिकॉर्ड 2.10 लाख करोड़ रुपये के कर संग्रह की तुलना में 17.61 फीसदी कम है। मई, 2023 में सरकार को जीएसटी के जरिये 1,57,090 करोड़ की कमाई हुई थी। वित्त मंत्रालय के शनिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 1,72,739 करोड़ रुपये के सकल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी की 32,409 करोड़ और राज्य जीएसटी की 40,265 करोड़ रुपये हिस्सेदारी रही। एकीकृत जीएसटी का योगदान 87,781 करोड़ रहा, जिसमें आयातित वस्तुओं पर जुटाए 39,879 करोड़ रुपये शामिल हैं। कुल उपकर संग्रह 12,284 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान घरेलू लेनदेन से राजस्व में 15.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि आयात में 4.3 फीसदी गिरावट रही।

आंकड़ों के मुताबिक, रिफंड के बाद मई के लिए शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.44 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। यह मई, 2023 की तुलना में 6.9 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। केंद्र सरकार ने 67,204 करोड़ रुपये के शुद्ध एकीकृत जीएसटी संग्रह से केंद्रीय जीएसटी के लिए 38,519 करोड़ और राज्य जीएसटी के लिए 32,733 करोड़ रुपये का निपटान किया।

चार वर्ष में 20 देशों तक यूपीआई पहुंचाने की तैयारी

आरबीआई चार वर्ष में यूपीआई को 20 देशों में पहुंचाने की योजना बना रहा है। हालिया सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, इसके लिए संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इस लक्ष्य को 2028-29 तक पूरा किया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस लक्ष्य के लिए एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लि. (एनआईपीएल) के साथ काम कर रहा है। 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए यूपीआई को बढ़ाया जा रहा है। इसके लिए यूरोपीय संघ और दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) जैसे देशों के समूह के साथ फास्ट पेमेंट सिस्टम (एफपीएस) सहयोग के साथ-साथ बहुपक्षीय संबंधों का भी पता लगाया जाएगा। इसी के तहत जुलाई 2023 में आरबीआई और यूएई के केंद्रीय बैंक ने भुगतान के बुनियादी ढांचे को आपस में जोड़ने के लिए एक समझौता ज्ञापन किया था।

पहले दिन 8 गुना सब्सक्रिप्शन, 2 दिन और खुला रहेगा आईपीओ, ग्रे मार्केट में दबदबा

नईदिल्ली, एजेंसी। टीबीआई कॉर्न आईपीओ पर दांव लगाने वाले निवेशकों के पास अभी मौका है। आईपीओ निवेशकों के लिए 4 जून तक खुला रहेगा। कंपनी के आईपीओ का साइज 44.94 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 47.81 लाख शेयर जारी करेगी। ग्रे मार्केट में कंपनी का प्रदर्शन शानदार है।

क्या है प्राइस बैंड

टीबीआई कॉर्न आईपीओ का प्राइस बैंड 90 रुपये से 94 रुपये प्रति शेयर है। इस आईपीओ का लॉट साइज 1200 शेयरों का है। जिस वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 1,12,800 रुपये का दांव लगाना होगा। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 5 जून 2024 को होगी। वहीं, आईपीओ की लिस्टिंग 7 जून 2024 को होगी। टीबीआई कॉर्न आईपीओ ग्रे मार्केट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। कंपनी आज ग्रे मार्केट में 84 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। अगर यही हाल लिस्टिंग तक रहा तो कंपनी शेयर बाजार में 178 रुपये के लेवल पर डेब्यू कर सकता है। ऐसा हुआ तो निवेशकों पहले दिन ही 89 प्रतिशत का लाभ हो सकता है। आईपीओ को पहले दिन ही 8.37 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को 37.14 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। वहीं, क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में 0.02 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटगरी में 6.82 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। यह आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 30 मई को खुला था।

5 से 14 दिन में तगड़ा भागेंगे अडानी पावर और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप अडानी ग्रुप के किसी शेयर पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। आने वाले सप्ताह में अडानी के दो शेयरों में तेजी आ सकती है। ब्रोकरेज फर्म एक्सिस

सिक्योरिटीज पावर-टू-एनर्जी सेक्टर में अडानी ग्रुप के दो स्टॉक पर फिदा हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। ये दो स्टॉक हैं- अडानी पावर और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस । ब्रोकरेज के मुताबिक आगामी 5 से 14 दिन के बीज इस शेयर में 12 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हो सकती है।

1. अडानी पावरः ब्रोकरेज ने अडानी पावर में एंट्री प्राइस 720 रुपये से 727 रुपये का सुझाव दिया है। 710 रुपये के स्टॉप लॉस के साथ टारगेट प्राइस 794 रुपये है। बता दें कि बीते शुक्रवार को यह शेयर 9 प्रतिशत तक बढ़कर 760 रुपये पर बंद हुआ था। इस साल अब तक यह शेयर 45 प्रतिशत चढ़ गया है। सालभर में यह शेयर 200 प्रतिशत तक चढ़ चुका है। इसका मार्केट कैप 2,91,835.28 करोड़ रुपये है।

बता दें कि अडानी पावर को मार्च 2024 तिमाही में नेट प्रॉफिट में 47.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 2,737 करोड़ रुपये पर रहा। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, बिजली कंपनी ने एक साल पहले की अवधि में 5,242 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

2. अडानी एनर्जी सॉल्यूशंसः यहां एंट्री प्राइस 1,128 रुपये से 1,139 रुपये है। 1,099 रुपये के स्टॉप लॉस के साथ टारगेट प्राइस 1,259 रुपये तय किया गया है। बता दें कि वर्तमान में कंपनी के शेयर 1,120 रुपये है। इस साल अब तक यह शेयर 6 प्रतिशत और साल भर में यह शेयर 25.12 प्रतिशत चढ़ा है। इसका मार्केट कैप 1,25,247.52 करोड़ रुपये है। बता दें कि अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड का शुद्ध लाभ पिछले वर्ष की समान अवधि से -7.19 प्रतिशत गिरकर 2023-2024 की चौथी तिमाही में 361.44 करोड़ हो गया। तिमाही वृद्धि के आधार पर, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने पिछले 3 महीनों से अपने शुद्ध मुनाफे में 11.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है।

यौन उत्पीड़न से जुड़े मामलों का समाधान वर्क फॉम होम नहीं, टीसीएस चेयरमैन ने बताया निपटने का तरीका

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा कि यौन उत्पीड़न के मामलों से बचने के लिए घर से काम करना (वर्क फ्रॉम होम) कोई समाधान नहीं है। इसकी बजाय इस मामले में लोगों को शिक्षित करने की जरूरत है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान टीसीएस कर्मचारियों द्वारा रिपोर्ट की गई यौन उत्पीड़न की शिकायतों की कुल संख्या 110 रही जो पिछले वर्ष 49 थी।

स्टील से जुड़ी कंपनी के शेयर में तूफानी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। आयरन एंड स्टील प्रोडक्ट से जुड़ी कंपनी- रामा स्टील ट्यूब्स ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। इस नतीजे के बाद कंपनी के शेयर में शुक्रवार को मामूली तेजी देखने को मिली। ट्रेडिंग के दौरान यह शेयर 12.24 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। 23 जनवरी 2024 को शेयर 16.82 रुपये तक पहुंच गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। अगस्त 2023 में यह शेयर 10.66 रुपये के स्तर तक लुढ़क गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

रामा स्टील ट्यूब्स के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो मार्च तिमाही में प्रमोटर्स के पास कंपनी की 56.70 फीसदी हिस्सेदारी थी। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास कंपनी के 43.30 फीसदी शेयर हैं। प्रमोटर्स में नरेश कुमार बंसल के पास कंपनी के 45,97,40,475 शेयर या 29.77 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, रिची बंसल के पास 11,76,96,525 शेयर या 7.62 फीसदी हिस्सेदारी है।

मार्च 2024 को समाप्त तिमाही में रामा स्टील ट्यूब्स का नेट प्रॉफिट 36.79 प्रतिशत घटकर 7.13 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले की इसी तिमाही के दौरान प्रॉफिट 11.28 करोड़ रुपये था। मार्च 2024 को समाप्त तिमाही में बिक्री 399.24 करोड़ रुपये के मुकाबले 32.80 प्रतिशत घटकर 268.27 करोड़ रुपये हो गई। पूरे वित्त वर्ष की बात करें तो मार्च 2024 को समाप्त वर्ष में प्रॉफिट 9.26 प्रतिशत बढ़कर 29.13 करोड़ रुपये हो गया, जबकि मार्च 2023 को समाप्त पिछले वर्ष के दौरान यह 26.66 करोड़ रुपये था। मार्च 2024 को समाप्त वर्ष में बिक्री 21.71 प्रतिशत घटकर 1046.51 करोड़ रुपये हो गई।

रामा स्टील ट्यूब्स ने इसी साल 2:1 रेश्यो से बोनस शेयर का ऐलान किया था। कंपनी के बोर्ड ने 24 जनवरी को 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी थी। रामा ग्रुप स्टील पाइप, ट्यूब और जीआई पाइप का निर्माण करता है। कंपनी की स्थापना 1974 में एचएल बंसल ने की थी।

विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर सुंदर फूड्स एंड डेयरी ने अपना नया ब्रांड समूह लॉन्च किया

▶▶ समूह ब्रांड का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण ▶▶ समूह करेगा लखपति दीदी का सपना पूरा ▶▶ समूह से जुड़ी 6 हजार से अधिक महिला किसान ▶▶ न्यूफैक्चरिंग से लेकर डिस्ट्रिब्यूटर्स में महिलाएं शामिल

भोपाल। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर सुंदर फूड्स एंड डेयरी ने अपना नया ब्रांड समूह लान्च किया है। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में सुंदर डेयरी के संस्थापक और प्रमोटर कार्तिकेय सिंह चौहान और सह-संस्थापक कुणाल सिंह चौहान ने समूह की लॉन्चिग की। समूह एक उच्च गुणवत्ता वाला डेयरी प्रोडक्ट है। महिला सशक्तिकरण इस ब्रांड का मुख्य उद्देश्य है। यह एक नारी शक्ति का आंदोलन है, जिसमें डेयरी प्रोडक्ट का उत्पादन, उपार्जन और सप्लाई तक महिलाएं संचालित कर रही है। सुंदर फूड् एंड डेयरी के सह-संस्थापक कुणाल सिंह चौहान ने कहा कि, 2017 में हमने फर्म शुरू की थी और साल 2020 में मिल्क कलैक्शन प्रिक्योरमेंट का काम शुरू किया था। धीरे-धीरे हमारी पूरी वैल्यू

चैन में मिल्क कलैक्शन से लेकर प्रोसेसिंग और सेलिंग को लेकर हमने इन तीन-चार सालों में यह प्रयास किया कि, हम ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को आगे लाकर उनके सशक्तिकरण के लिए कम करें। आज हमने हमारे ब्रांड की री-लॉन्चिंग भी इसलिए की है ताकि हम महिलाओं के माध्यम से ये मैसेज को पूरे समाज तक पहुंचा सके। आज वर्ल्ड मिल्क डे के अवसर पर हमने हमारा नया नाम सभी के बीच में प्रस्तुत किया है। हमारे जो भी प्रोडक्ट रेंज अभी मार्केट में आती है दूध, दही, छाछ, लस्सी, पनीर जितने भी प्रकार के प्रोडक्ट हैं। सबके नाम हम धीरे-धीरे समूह ब्रांड नाम से सेल करने का काम करेंगे। हमारा डिस्ट्रीब्यूशन मध्यप्रदेश में लगभग 15 जिलों में हैं, यहां पहले से ही हमारे प्रोडक्टस जाते हैं। इसके साथ-साथ राजस्थान बॉर्डर पर भी कोटा, सवाई माधोपुर तक हमारे प्रोडक्ट्स जाते हैं। फ्यूचर में हमारा प्लान यही है कि हम एमपी का टॉप ब्रांड बनना चाहते हैं, और मध्यप्रदेश के साथ-साथ फिर हम पूरे देश में भी धीरे-धीरे हमारे ब्रांड को पहुंचाने का काम करेंगे।

महिला सशक्तिकरण पर फोकस

सुंदर फूड्स एंड डेयरी ने साल 2020 तक स्थानीय किसानों को अपने साथ जोड़ा और फिर दूध से बने उत्पाद लॉन्च किए। व्यवसाय जब आगे बढ़ा तो सुंदर डेयरी ने महिला सशक्तिकरण पर फोकस किया। महिला केंद्रित ग्राम संग्रह केंद्र बनाए, जहां महिला किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से दूध खरीदा जाता है। चूंकि सुंदर डेयरी की प्राथमिक उपभोक्ता महिलाएं हैं, इसलिए यहां मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट से लेकर डिस्ट्रिब्यूटर्स में भी महिलाएं शामिल है। सुंदर फूड्स एंड डेयरी (सुफोडा) भारत में स्थित एक अग्रणी डेयरी उत्पाद निर्माता है।

लोरेंजिनी अपैरल्स लिमिटेड बोर्ड ने वारंट के कन्वर्जन के विरुद्ध इक्विटी शेयर्स के आवंटन को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेडीमेड गारमेंट्स की मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइनिंग और मार्केटिंग के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी लोरेंजिनी अपैरल्स लिमिटेड (बीएसई= 540952, एनएसई) ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने 2,47,230 वारंट्स को 1 रुपये प्रति फेस वैल्यू के 2,47,23,00 इक्विटी शेयर्स में बदलने की मंजूरी दे दी है। 5 अक्टूबर, 2023 को प्रेफरेंशिएल बेसिस पर आवंटित 10,38,37,10 वारंट्स में से 3,74,99,846.4 रुपये कुल राशि मिलने पर कीवी डीलकॉम प्राइवेट लिमिटेड से (प्रति वारंट इश्यू प्राइस का 75 प्रतिशत) प्राप्त हुए। इससे पहले, कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए अपनी आय की घोषणा की। ऑपरेशनल रेवेन्यू 54.76 करोड़ रुपये और एबिटा 10 करोड़ रुपये सालाना 29 प्रतिशत की वृद्धि पर आया। शुद्ध लाभ दोगुने से भी अधिक हो गया, 2.52 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23) से बढ़कर 5.30 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24) हुआ। लोरेंजिनी अपैरल्स लिमिटेड रेडीमेड गारमेंट्स की मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइनिंग और मार्केटिंग के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों की विविध फैशन आवश्यकताओं को पूरा करता है। फॉर्मल, सेमी-फॉर्मल और कैजुअल वेयर की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ, यह क्वॉलिटी अटायर देने पर गर्व करता है जो कंटेम्पररी ट्रेंड्स और टाइमलेस स्टाइल्स के साथ मेल खाता है। रिटेल आउटलेट्स और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के माध्यम से ऑपरेट करते हुए, कंपनी अपने ग्राहकों के लिए पहुंच और सुविधा सुनिश्चित करती है। इसके ऑपरेशनल सेंटर में एक सावधानीपूर्वक गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग प्रॉसेस शामिल है जिसमें कटिंग, स्टिचिंग, सिलाई, फिनिशिंग, इंस्पेक्शन और पैकिंग सम्मिलित है। कड़े क्वॉलिटी स्टैंडर्ड को बनाए रखते हुए, लोरेंजिनी अपैरल्स लिमिटेड जॉब वर्क के आधार पर गारमेंट प्रोडक्शन के लिए थर्ड-पार्टी कॉन्ट्रैक्टर्स के साथ स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप में भी संलग्न है। इन कोलैबोरेशन में डिज़ाइन, पैटर्न, क्वॉलिटी स्टैंडर्ड और फैब्रिक की प्राथमिकताओं सहित डिटेल टेक्निकल विशिष्टताओं का प्रसार शामिल है। एक्सटर्नल मैन्युफैक्चरर की विशेषज्ञता का लाभ उठाकर और सटीक गाइडलाइन देकर, कंपनी विश्वसनीय सहयोगियों के नेटवर्क को बढ़ावा देते हुए, इक्सेप्शनल अपैरल्स के लिए अपने विज़न को साकार करना तय करती है। लोरेंजिनी अपैरल्स लिमिटेड न केवल सुपीरियर क्वॉलिटी गारमेंट्स वितरित करने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि सस्टेनेबिलिटी और एथिकल मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस पर भी ज़ोर देती है। कंपनी सक्रिय रूप से इको-फ्रेंडली प्रोडक्शन प्रॉसेस को लागू करके और जिम्मेदारी से मटेरियल की सोर्सिंग करके अपने एनवायरनमेंटल फुटप्रिंट्स को कम करना चाहती है। इसके अलावा, यह अपनी सप्लाई चेन में उचित फेयर लेबर स्टैंडर्ड को कायम रखता है, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और सभी शामिल पक्षों के लिए समान व्यवहार को बढ़ावा देता है। इनोवेशन और कस्टमर सेटिस्फेक्शन के जुनून से प्रेरित, लोरेंजिनी अपैरल्स लिमिटेड लगातार इंडस्ट्री ट्रेंड्स और उपभोक्ता प्राथमिकताओं से आगे रहने का प्रयास करता है। इसके डिजाइनरों और स्टाइलिस्टों की समर्पित टीम ऐसे कलेक्शंस तैयार करने के लिए समर्पित है जो ब्रांड के सिग्नेचर एस्थेटिक को बनाए रखते हुए लेटेस्ट फैशन संवेदनाओं को दर्शाते हैं। क्रिएटिविटी, क्राफ्ट्समैनशिप और डिटेल्स पर ध्यान के मिश्रण के माध्यम से, कंपनी अपने समझदार ग्राहकों की अपेक्षाओं को पार करने का प्रयास करती है, और खुद को फैशन की दुनिया में एक विश्वसनीय नाम के रूप में स्थापित करती है।

कजारिया ने भोपाल में लॉन्च किया केरोविट एक्सपीरियंस सेंटर, लेकर आया नए बाथरूम बाथवेयर

भोपाल। कजारिया के बाथवेयर ब्रांड केरोविट ने शनिवार को भोपाल में केरोविट का नया एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च किया। बाथरूम फर्नीचर से लेकर नल, सेनेटरीवेयर, शॉवर सहित कई बाथरूम एक्सेसरीज के नए डिजाइन्स के साथ ये सेंटर शहर में खोला गया है। इसका उद्घाटन कजारिया सेरामिक्स लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अशोक कजारिया ने उद्घाटन समारोह में किया।

इस समारोह में केरोविट के मार्केटिंग वाइस चेयरमेन राकेश संब्याल, केरोविट के मार्केटिंग डीजीएम राहुल शर्मा समेत अन्य अतिथि भी मौजूद रहे। ये नया केरोविट एक्सपीरियंस सेंटर अरेरा कॉलोनी में खोला गया है। जहां ग्राहकों को डिजाइनर नल, सैनिटरीवेयर और हाल ही में लॉन्च किए गए प्रीमियम रंगीन रेंज, बाथरूम फिटिंग के अच्छे कलेक्शन मिल सकते हैं।

इस सेंटर में न केवल बाथरूम से जुड़ी चीजें मिलेंगी, साथ ही यह एक संसाधन केंद्र के रूप में भी काम करेगा जहां अनुभवी विशेषज्ञ बाथरूम इंटीरियर को लेकर सलाह भी देंगे। ग्राहक सीख सकते हैं कि अपने बाथरूम की कार्यक्षमता और सौंदर्य को कैसे बढ़ाया जाए, कैसे उसे नये लुक में लाया जाए, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे अपने घरों के लिए सही विकल्प चुनें। अशोक कजारिया ने अपने संबोधन में कहा, बाथरूम किसी भी घर का अहम हिस्सा होता है। कजारिया ग्रुप के हिस्से के तौर पर हमारा लक्ष्य अपने खास टाइल, बाथ और सेनेटरीवेयर कलेक्शन को हर परिवार का हिस्सा बनाना है। यह तो बस शुरुआत है; हम देशभर में और भी बड़े एक्सपीरियंस सेंटर खोलने वाले हैं। भारतीय टाइल उद्योग में कजारिया सिरेमिक्स अपनी सफलता का श्रेय श्री अशोक कजारिया के नेतृत्व को देता है। भारत में एक छोटी सी पहल के साथ शुरुआत से लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने तक, अशोक कजारिया की यात्रा दृढ़ संकल्प के साथ इतना दूर तलक आ पाई है।

खास खबर

भारत ही तो है... टी-20 वर्ल्ड कप में महामुकाबले से पहले बाबर आजम की चेतावनी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर बना माहौल, अपेक्षाओं का बोझ और दबाव खिलाड़ियों को नर्वस बना देता है, लेकिन उन्होंने टी-20 विश्व कप में रविवार को यहां होने वाले मैच से पहले अपने खिलाड़ियों को शांत बने रहने और अपने 'बेसिक्स' पर कायम रहने की सलाह दी। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 विश्व कप में अभी तक जो सात मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान में यह जीत 2021 में हासिल की थी।

बाबर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

(पीसीबी) के पॉडकास्ट में कहा, हम जानते हैं कि भारत और पाकिस्तान के मैच पर किसी अन्य मैच की तुलना में अधिक चर्चा होती है। इसके लिए पूरी तरह से भिन्न माहौल तैयार किया जाता है तथा केवल खिलाड़ी ही नहीं बल्कि प्रशंसकों में भी इसको लेकर उत्साह बना रहता है। दुनिया में आप कहीं भी जाओ, आपको भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर चर्चा करते हुए लोग मिल जाएंगे। हर कोई अपने देश का समर्थन करता है। प्रत्येक प्रशंसक इस मैच का बेसब्री से इंतजार करता है और उसका ध्यान इस खास मैच पर लगा रहता है। भारत के आगे कहीं नहीं ठहरता पाकिस्तान, 7 में से 6 बार हुआ है शर्मिंदा बाबर ने कहा, 'निश्चित तौर पर अपेक्षाओं और इस मैच को लेकर बने माहौल के कारण खिलाड़ी थोड़ा नर्वस हो जाते हैं। यह इस पर निर्भर करता है कि आप इससे कैसे निपटते हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप के बीच वेंकटेश अय्यर ने रचाई शादी

नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया बुधवार को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कम 2024 का पहला मुकाबला खेलेगी। बांग्लादेश के साथ हुए प्रैक्टिस मैच में भारतीय टीम ने कमाल का प्रदर्शन किया और उन्हें 60 रनों से हरा दिया। इसी बीच टीम इंडिया के खिलाड़ी ने शादी रचा ली है। सोशल मीडिया पर इस प्लेयर की शादी की तस्वीरें तेजी के साथ वायरल हो रही है।

दरअसल, कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने सात फेरे ले लिए

हैं। सोशल मीडिया पर एक फोटो तेजी से वायरल हो रही है। फोटो में वेंकटेश परंपरागत वेशभूषा में पत्नी श्रुती के साथ नजर आ रहे हैं। वायरल फोटो में अय्यर पत्नी के गले में माला डालते नजर आ रहे हैं साथ ही फोटो में उनके सगे संबंधी भी नजर आ रहे है। इस तस्वीर के वायरल होने के बाद फैंस भी उनके सोशल मीडिया पर बधाई दे रहे हैं।

इससे पहले वेंकटेश अय्यर ने नवंबर 2021 में श्रुती के साथ सगाई की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अय्यर की पत्नी श्रुती रघुनाथन पेशे से डिजाइनर है, और फेशन मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री की है। श्रुति ने कोयंबटूर स्थित क्क्त कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस से बी.कॉम की डिग्री हासिल की।

टी-20 वर्ल्ड कप के ओपनिंग मैच में रिकॉर्ड्स की बरसात

अमेरिकी क्रिकेटर ने रचा इतिहास

न्यूयार्क (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2024 का धमाकेदार आगाज हुआ है। टूर्नामेंट के ओपनिंग मैच में मेजबान यूएसए ने कनाडा को 14 गेंद पहले सात विकेट से हरा दिया। यूएसए के सामने 195 रन का विशाल लक्ष्य था, लेकिन 29 साल के दाएं हाथ के बल्लेबाज आरोन जोन्स की तूफानी 94 रन की पारी के आगे यह टोटल बौना साबित हो गया। जोन्स ने अपनी इस विस्फोटक पारी से एक के बाद एक कई रिकॉर्ड तोड़े। सिर्फ 40 गेदों में 10 गगनचुंबी छक्के और चार चौके की मदद से उन्होंने कनाडाई गेंदबाजों के होश उड़ा दिए। टी-20 विश्व कप के इतिहास में यह तीसरा सबसे बड़ा रनचेज भी है।

यूएस के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप- इस मैच में आरोन जोन्स ने सिर्फ 40 गेंदों पर 4 चौके, 10 छक्के की मदद से नाबाद 94 रन बनाए। इस दौरान एंड्रीज गौस के बीच उन्होंने तीसरे विकेट के लिए 131 रन की पार्टनरशिप की। यह अमेरिका के लिए टी-20 क्रिकेट में सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड है। गौस ने सात चौके और तीन छक्के की मदद से 46 गेंदों पर 65 रन बनाए।

टी-20 वर्ल्ड कप में तीसरा सबसे सफल रनचेज

195 रन के लक्ष्य को यूएसए ने किसी मजाक की तरह चेज कर दिया। यह टी-20 विश्व कप के इतिहास में तीसरा सबसे बड़ा रन चेज है। सबसे बड़ा रन चेज इंग्लैंड के नाम है, जब उसने 2016 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 230 रन बनाए थे। दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका का नाम है, जोबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ 206 रन का लक्ष्य साधा था।

क्रिस गेल की बराबरी

आरोन जोन्स ने इस मैच में 10 छक्के लगाकर खतरनाक कैरेबियाई बल्लेबाज क्रिस गेल की बराबरी कर ली। 2007 टी-20 विश्व कप में गेल ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 117 रन की पारी के दौरान 10 छक्के मारे थे। हालांकि टी-20 विश्व कप के एक मैच में सबसे ज्यादा 11 छक्के लगाने का कीर्तिमान भी गेल के ही नाम है, जो उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2016 एडिशन में लगाए थे।

टी-20 वर्ल्ड कप के एक ओवर में सबसे महंगा ओवर

कनाडा के जेरेमी गॉर्डन ने मैच के 14वें ओवर में 32 रन लुटा दिए। इस ओवर में उन्होंने कुल 11 गेंदें फेंकी, जिसमें तीन छक्के, दो चौके, तीन वाइड और दो नो बॉल शामिल रहे। इस तरह जेरेमी ने टी-20 विश्व कप का दूसरा सबसे महंगा ओवर फेंका। पहले नंबर पर स्टुअर्ट ब्रॉड बरकरार है, जिन्होंने युवराज सिंह से लगातार छह गेंदों में छह छक्के खाकर 36 रन लुटाए थे।

एसोसिएट टीम के पहले बल्लेबाज

टी-20 वर्ल्ड कप के एक मैच में आज तक एसोसिएट टीम के किसी बल्लेबाज ने 10 छक्के नहीं मारे हैं। जोन्स यह कारनाम करने वाले पहले बल्लेबाज बने। इतना ही नहीं जोन्स टी-20 में यूएसए के लिए सबसे तेज अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज बन चुके हैं।

एफआईएच प्रो हॉकी लीग

भारत ने विश्व चैम्पियन जर्मनी को 3-0 से हराया

लंदन (एजेंसी)। भारत ने जर्मनी की कमजोर रक्षापंक्ति का फायदा उठाते हुए 3 गोल दागे जिससे हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम ने शनिवार को यहां एफआईएच प्रो हॉकी लीग में विश्व चैम्पियन को 3-0 से हराकर लंदन चरण में जीत से शुरुआत की। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत (16वें मिनट), सुखजीत सिंह (41वें मिनट) और गुरजंत सिंह (44वें मिनट) ने जर्मनी की युवा टीम के खिलाफ गोल दागे। जर्मनी ने शानदार शुरुआत की लेकिन अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी। विश्व की 5वें नंबर की भारतीय टीम 13 मैचों में 24 अंक लेकर तीसरे स्थान पर बनी हुई है जबकि अर्जेंटीना 14 मैचों में 26 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है।

भारत ने प्रो लीग के एंटवर्प चरण में अर्जेंटीना को दो बार हराया था। नीदरलैंड 12 मैचों में 26 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर है। भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने पहले क्वार्टर में जर्मनी के लगातार हमलों को रोकते हुए 2 पेनल्टी कॉर्नर को नाकाम कर दिया। दूसरे क्वार्टर के पहले ही मिनट में हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर दुनिया की तीसरे नंबर की टीम को दबाव में ला दिया। भारतीय कप्तान ने 16वें मिनट में नीची फ्लिक जर्मनी के गोलकीपर एलेक्जेंडर स्टैडलर की ओर बढ़ायी जो बैरी एंथियस से डिफ्लेक्ट होकर गोल में चली गई। इसके बाद सुखजीत ने 41वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी।

सुखजीत ने अभिषेक को पास दिया और सर्कल की ओर दौड़े। अभिषेक ने इसे सुखजीत को वापस दिया जिन्होंने जर्मनी के गोलकीपर को छकाते हुए शानदार शॉट लगाया। इसके 3 मिनट बाद गुरजंत ने भारत के लिए तीसरा गोल दाग दिया। संजय ने गोल लाइन पर गेंद जरमनप्रीत सिंह की ओर बढ़ायी। इस डिफेंडर ने फिर गेंद को गुरजंत को वापस भेज दिया, जिन्होंने स्टैडलर को छकाते हुए गोल दागा। जर्मनी की टीम दबाव में आ गई थी और उसने भारतीय रक्षापंक्ति को भेदने की पूरी कोशिश की। लेकिन श्रीजेश ने उन्हें इसमें सफलता हासिल नहीं करने दी।

लगभग 4 महीने बाद प्रतिस्पर्धी हॉकी में वापसी कर रही जर्मनी ने एक दर्जन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन ये सभी बेकार रहे। श्रीजेश ने भी अपनी भूमिका बखूबी निभाई और पहले क्वार्टर में 3 प्रयासों को विफल किया जिसमें 2 पेनल्टी कॉर्नर के थे। भारतीय टीम अब 8 जून को फिर से जर्मनी से भिड़ेगी जिसके बाद उसका सामना दो और नौ जून को ग्रेट ब्रिटेन से होगा।

रोहित से मिलने मैदान पर घुसा प्रशंसक, यूएसए पुलिस ने पिटाई करते निकाला बाहर

न्यूयार्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क के नवनिर्मित नासाउ काउंटी ग्राउंड में अपने एकमात्र अभ्यास मैच में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हरा दिया। नई पिच पर पहले खेलने उतरी भारतीय टीम की ओर से ऋषभ पंत ने 53 रन बनाकर स्कोर 182 तक पहुंचाने में मदद की थी। जवाब में खेलने उतरी बांग्लादेश की टीम 122 रन ही बना पाई। मैच के दौरान एक क्षण ऐसा भी आया कि जब एक प्रशंसक मैदान के अंदर घुस गया और फील्डिंग कर रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को गले लगा लिया। यह देखकर यूएसए की पुलिस मैदान पर घुस आई और प्रशंसक को पकड़कर मैदान पर फेंक दिया। इस दौरान दूसरा पुलिसकर्मी उसके ऊपर चढ़ गया और धक्का मुक्की करने लगा। दोनों ने फैन को हथकड़ी पहनाई और धक्के देते हुए मैदान से बाहर ले गए। उक्त घटनाक्रम की सोशल मीडिया पर वीडियो तेजी से वायरल हुई।

ऐसा रहा मुकाबला

भारतीय टीम की शुरूआत खराब रही क्योंकि संजू सैमसन 1 रन बनाकर आऊट हो गए लेकिन इसके बाद रोहित शर्मा ने ऋषभ पंत के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। पंत 33 गेंदों पर 53 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए। इसके बाद हार्दिक पांड्या ने भी एक छोर संभालकर 23 गेंदों पर 40 रन बनाकर और टीम स्कोर 182 तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलने उतरी बांग्लादेश की टीम 9 विकेट पर 122 रन ही बना पाई। भारतीय टीम की ओर से अर्शदीप सिंह और शिवम दुबे 2-2 विकेट लेने में सफल रहे। बुमराह, सिराज, हार्दिक और अक्षर पटेल ने 1-1 विकेट ली।

टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप में एकमात्र प्रैक्टिस मुकाबला ही खेलना था। इसको जीतने के बाद अब भारतीय टीम लीग स्टेज में पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ भिड़ेगी। विश्व क्रिकेट की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता में से एक, भारत बनाम पाकिस्तान 9 जून को खेला जाएगा। इसके बाद रोहित शर्मा की अगुवाई वाला भारत 12 जून को अमेरिका और 15 जून को कनाडा से भिड़ेगा।

भारत के खिलाफ चोटिल हुआ बांग्लादेश का सूरमा गेंदबाज, हाथ में 5 से ज्यादा टांके

न्यूयार्क (एजेंसी)। बांग्लादेश की तेज गेंदबाजी की अगुवाई करने वाले शोरिफुल इस्लाम टी20 वर्ल्ड कप के पहले मैच में खेल पाएंगे या नहीं, ये संदेह है। न्यूयॉर्क में शनिवार को अभ्यास मैच के दौरान फील्डिंग करते समय उनके बाएं हाथ की दो अंगुलियों के बीच की चोट लग गई। इस चोट के कारण उन्हें टांके लगाने पड़े हैं और अब शुक्रवार को डलास में श्रीलंका के खिलाफ होने वाले बांग्लादेश के पहले मैच के लिए वो समय के खिलाफ दौड़ लगा रहे हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के डॉक्टर देबाशीष चौधरी ने रविवार को एक वीडियो संदेश में बताया, %उन्हें छह टांके लगाए गए हैं। उनकी अहमियत को देखते हुए हम उन्हें जल्दी वापसी कराने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। तेज गेंदबाज शोरिफुल ने भारत की पारी के आखिरी ओवर में हार्दिक पांड्या के एक बड़े शॉट को रोकने की कोशिश की थी, उसी दौरान गेंद उनके हाथ पर लगी थी। उन्हें इलाज के लिए मैदान से बाहर ले जाया गया था। हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज हारने वाला बांग्लादेश अब श्रीलंका के खिलाफ होने वाले मैच के लिए एक और तेज गेंदबाज़ तस्किन अहमद को भी फिट करने के लिए जद्दोजहद कर रहा है।

हमने अब तक बल्लेबाजी इकाई को अंतिम रूप नहीं दिया, प्रैक्टिस मैच जीतकर बोले रोहित

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप के लिए अपने बल्लेबाजी क्रम को अब तक अंतिम रूप नहीं दिया है और बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच में ऋषभ पंत को तीसरे नंबर पर भेजने के टीम प्रबंधन के फैसले को ज्यादा तूल नहीं दी जानी चाहिए। भारत ने शनिवार को अभ्यास मैच में निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 182 रन बनाने के बाद बांग्लादेश को नौ विकेट पर 122 रन पर रोककर नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 60 रन से जीत हासिल की।

पंत के तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बारे में रोहित ने कहा, 'सिर्फ उसे मौका देने के लिए (ऐसा किया)। हमने अब तक अपनी बल्लेबाजी इकाई को अंतिम रूप नहीं दिया है। यहां तक ??कि गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर चीजें जिस तरह से हुईं, उससे खुश हूं। पंत ने 32 गेंद में 53 रन की तेज पारी खेली जबकि हार्दिक पंड्या ने 23 गेंद पर 40 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव ने भी 18 गेंद में 31 रन की पारी खेली। रोहित ने मैच के बाद कहा, ''जिस तरह से चीजें हुईं, उससे मैं काफी खुश हूं। मुकाबले से हमें काफी कुछ वैसा ही मिला जैसा हम चाहते थे। जैसा कि मैंने टॉस के समय कहा था, परिस्थितियों के अनुकूल होना महत्वपूर्ण था।

उन्होंने कहा, 'नया स्थल, नया मैदान, ड्रॉप-इन पिच - इनसे अनुकूल होना महत्वपूर्ण था और हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया और तीन ओवर में 12 रन देकर दो विकेट चटकाए। ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी तीन ओवर में 13 रन देकर दो विकेट हासिल किए। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन

की सराहना करते हुए कहा कि पिच थोड़ी नरम और मुलायम थी।

द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट एक वीडियो में कहा, 'एक अच्छा मुकाबला मिलना बहुत बढ़िया है। बेशक, यह एक अच्छे मैदान की तरह दिखता है। मैदान थोड़ा नरम है और खिलाड़ियों को पैर की मांसपेशियों और पिंडलियों पर इसका असर महसूस हो सकता है। उन्होंने कहा, 'इसलिए हमें इस क्षेत्र पर काम करने की जरूरत है और यह सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ी इस बात का ध्यान रखें कि भारीपन महसूस नहीं हो।

द्रविड़ ने कहा, 'पिच थोड़ी नरम थी लेकिन मुझे लगता है कि हम इससे काफी अच्छी तरह निपटे। बल्लेबाजों ने उस विकेट पर अच्छा स्कोर बनाया और गेंदबाजों ने भी काफी अच्छी गेंदबाजी की। पिच का अच्छा इस्तेमाल करने वाले अर्शदीप ने कहा कि कुछ चुनौतियों के बावजूद टीम परिस्थितियों के साथ अच्छी तरह से तालमेल बैठा रही है। उन्होंने कहा, 'अच्छा लग रहा है, यह बेहद महत्वपूर्ण है कि आप कैसे शुरुआत करते हैं। हमने शुरुआत में ही विकेट हासिल किए और रन नहीं दिए। विकेट से भी मदद मिल रही थी इसलिए हमने इसे सरल रखने की कोशिश की और परिणाम भी मिला।

अर्शदीप ने कहा, 'मैदान में रेत का इस्तेमाल हुआ है इसलिए आपको लय सही रखने की जरूरत है। यहां की परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाना एक चुनौती होगी। मध्यम गति की गेंदबाजी के अलावा बड़े छक्के मारने की अपनी क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले दुबे ने कहा, ''यहां खेलना मजेदार था और अपने पहले अभ्यास मैच में जीत हासिल करना अच्छा था।

सूर्य यंत्र घर में रखने से सोने की तरह चमक उठता है भाग्य, मिलती है मनचाही तरक्की

वैसाख शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तिथि को बुद्ध पूर्णिमा का पावन व्रत बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष वैशाख शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तिथि 23 मई 2024 दिन बृहस्पतिवार को मनाया जाएगा। यद्यपि कि पूर्णिमा तिथि का आरंभ 22 मई 2024 दिन बुधवार को दिन में 5.57 बजे से आरंभ हो गया जो 23 मई 2024 दिन बृहस्पतिवार को सायं काल 6.41बजे तक। इसी कारण से उदयकालिक पूर्णिमा तिथि 23 मई को बुद्ध पूर्णिमा का पावन पर्व मनाया जाएगा।

सूर्य को धरती का जीवन माना जाता है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य नवग्रहों का राजा भी है। कुंडली में सूर्य के मजबूत होने से व्यक्ति जीवन में तेजी से तरक्की करता है। वहीं, उसके भाग्य का द्वार खुल जाते हैं। हर काम में कामयाबी मिलने के साथ सूर्य की स्थिति मजबूत होने पर व्यक्ति न सिर्फ बहुत पैसे कमाता है बल्कि समाज में उसका मान-सम्मान भी काफी बढ़ जाता है। वास्तुशास्त्र में भाग्य को प्रबल बनाने के लिए सूर्य यंत्र को भी सूर्यदेव की इन्हीं विशेषताओं से जोड़कर देखा जाता है। घर में सूर्य यंत्र करने से नौकरी और व्यापार में उन्नति होती है। साथ ही भाग्य हर कदम पर साथ देता है। आइए, जानते हैं सूर्य यंत्र क्या होता है और इससे जुड़ीं खास बातें और लाभ।

सूर्य यंत्र

ब्रह्मांड में सूर्य एक ऐसा चमकता तारा है, जिसके इर्द-गिर्द सभी सितारे, ग्रह और नक्षत्र घूमते हैं। पृथ्वी के सभी जड़ और चेतन पदार्थों पर इसकी रश्मियों का प्रभाव पड़ता है। सूर्य यंत्र को सूर्य ग्रह की शुभता के लिए विशेष रूप से घर में स्थापित करके साधना की जाती है। इस यंत्र के दर्शन मात्र से ही लाभ हो जाता है। कुंडली में सूर्य ग्रह अशुभ स्थिति में हो, तो सूर्य यंत्र की पूजा करके लाभ उठाया जा सकता है।

सूर्य यंत्र को घर में रखने से मजबूत होता है भाग्य

क्या आपकी मेहनत सफल नहीं होती? या फिर बहुत ही काम करने के बाद भी आपको अपनी उम्मीद के अनुसार फल नहीं मिलता? अगर ऐसा है, तो आपको घर में सूर्य यंत्र जरूर रखना चाहिए। सूर्य यंत्र को घर में रखने और इसकी पूजा करने से आपका सोया भाग्य भी जाग जाता है और आपके रूके हुए काम भी बनना शुरू हो जाते हैं।

नौकरी में तरक्की पाने के लिए सूर्य यंत्र

आपको अगर नौकरी में काफी मेहनत करने के बाद भी तरक्की नहीं मिल पा रही है, तो आपको सूर्य यंत्र का प्रयोग जरूर करना चाहिए। आपको घर की स्टडी टेबल या पूजा घर में सूर्य यंत्र जरूर रखना चाहिए। सुबह ऑफिस जाने से पहले सूर्य यंत्र की पूजा जरूर करें, इससे आपको नौकरी में तरक्की जरूर मिलेगी।

सूर्य यंत्र से बिजनेस में होता है मुनाफा

आप अगर नया बिजनेस शुरू करने की सोच रहे हैं, तो आपको सूर्य यंत्र को उस जगह पर रखना चाहिए, जहां पर आपने अपना ऑफिस बनाया है या फिर बिजनेस से जुड़े पेपर या चीजें रखते हैं, वहां पर आपको सूर्य यंत्र रखना चाहिए। सुबह काम शुरू करने से सबसे पहले सूर्य यंत्र की पूजा करें।

वास्तुदोष को दूर करने के उपाय

घर से वास्तुदोष दूर करने के लिए आपको तांबे के पत्र पर सूर्य यंत्र चिपकाकर स्थापित करना चाहिए। इससे वास्तुदोष दूर होते हैं और घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। साथ ही व्यक्ति के जीवन से भय, चिंता और शंका भी दूर हो जाती है।

डूबते करियर को सहारा देकर कामयाबी दिलाएंगे हनुमान जी

बड़ा मंगलवार को जरूर करें ये 5 वास्तु उपाय

भगवान हनुमान का नाम लेने मात्र से सभी तरह की पीड़ाओं से मुक्ति मिलती है लेकिन जो हनुमान भक्त ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले पहले मंगलवार को विधि-विधान के साथ हनुमान जी की पूजा करता है, उस व्यक्ति के जीवन की सारी बाधाएं तो दूर होती ही हैं, साथ ही सफलता में आ रहीं बाधाएं भी दूर होती हैं। ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले पहले मंगलवार को बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल भी कहा जाता है। वास्तु शास्त्र में भी बड़ा मंगल बहुत महत्व है। माना जाता है कि अगर आप बड़ा मंगल को घर में कुछ बदलाव करते हैं, तो आपकी तरक्की में आने वाली सारी बाधाएं दूर हो जाती हैं।

भगवान हनुमान का नाम लेने मात्र से सभी तरह की पीड़ाओं से मुक्ति मिलती है लेकिन जो हनुमान भक्त ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले पहले मंगलवार को विधि-विधान के साथ हनुमान जी की पूजा करता है, उस व्यक्ति के जीवन की सारी बाधाएं तो दूर होती ही हैं, साथ ही सफलता में आ रहीं बाधाएं भी दूर होती हैं। ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले पहले मंगलवार को बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल भी कहा जाता है। वास्तु शास्त्र में भी बड़ा मंगल बहुत महत्व है। माना जाता है कि अगर आप बड़ा मंगल को घर में कुछ बदलाव करते हैं, तो आपकी तरक्की में आने वाली सारी बाधाएं दूर हो जाती हैं। आइए, जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार बड़े मंगल को क्या उपाय करने चाहिए।

स्टडी टेबल के पास उगते हुए सूर्य की फोटो लगाएं

सूर्यदेव हनुमान जी के गुरु हैं, इसलिए आज के दिन सूर्यदेव की फोटो लगाने से हनुमान जी की विशेष कृपा मिलती है। सूर्यदेव को भाग्य, नेतृत्वक्षमता, आत्मा का ग्रह माना जाता है, इसलिए आप अगर करियर में तरक्की पाना चाहते हैं, तो आपको सूर्यदेव की फोटो घर में खासकर स्टडे टेबल के पास जरूर लगानी चाहिए।

उत्तर दिशा में हनुमान जी की प्रतिमा रखें

वास्तु शास्त्र के अनुसार आप अगर अपने घर में सही दिशा में हनुमान जी की तस्वीर या फिर प्रतिमा रखते हैं, तो इससे आपके जीवन की सारी बाधाएं दूर हो जाती हैं और आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है, जिससे आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लग जाते हैं।

सकारात्मक ऊर्जा के लिए घर में आंवले का पौधा लगाएं

आज मंगलवार के दिन आपको घर में आंवले का पौधा जरूर लगाना चाहिए। माना जाता है कि आंवले के पौधे पर भगवान विष्णु का वास होता है। भगवान राम, विष्णु जी के ही अवतार हैं, ऐस में आंवले का पौधा लगाने से भगवान हनुमान और राम जी का आशीर्वाद बना रहता है। इससे आपके जीवन की सारी बाधाएं भी दूर हो जाती हैं।

लाल सिंदूर लगाकर पर्स में चांदी का सिक्का रखें

आपके जीवन में अगर आर्थिक तरक्की रूकी हुई है, तो आज चांदी के सिक्के पर लाल रंग का सिंदूर लगाकर 11 बार हनुमान जी का नाम लेकर इसे अपने पर्स में रख लें, इससे भी जीवन में आर्थिक तरक्की होगी और आप करियर में कामयाबी पाते जाएंगे।

पूजा घर में लाल रंग की चीजें रखें

आपकी तरक्की में अगर किसी भी प्रकार की बाधाएं आ रही हैं, तो आपको आज बड़ा मंगलवार ही नहीं बल्कि हर मंगलवार को लाल रंग की चीजें घर के मंदिर या पूजा घर में रखनी चाहिए, इससे आपके जीवन से सभी तरह की पीड़ाएं दूर हो जाती है। जैसे आप मंदिर में लाल रंग का चोला या सिंदूर भी रख सकते हैं।

बीमार व्यक्ति को कराऐं भूमि पर शयन, धरती मां खींच लेती हैं रोग और शोक

प्राय: उंची-उंची बिल्डिंग के ऊंचे महलों पर रहने वालों को जब स्वास्थ्य कष्ट असाध्य हो जाता है, डॉक्टर की दवा कम काम करती है, तो उन्हें स्वास्थ्य सुख के लिए भूतल पर स्थित मकान में रहने की सलाह दी जाती है। पृथ्वी के करीब रहने से मानव को चमत्कारिक लाभ मिलते हैं।

भूमि पर शयन करने से भाग्य में वृद्धि - प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन लगभग आधा घंटे के लिए भूमि पर जरूर सोना चाहिए। यह सर्वविदित तथ्य है कि पृथ्वी एक चुंबक है। विज्ञान के अनुसार हर पदार्थ छोटे-छोटे कणों से मिलकर बना होता है। भौतिक सिद्धांतों से यह भी सिद्ध होता है कि चुंबक की तरह ही चुंबकीय अणु में भी उत्तर और दक्षिण दो ध्रुव होते हैं, उनका व्यवहार भी चुंबक की तरह ही होता है। इसलिए हम कह सकते हैं कि पृथ्वी का प्रत्येक कण चुंबकीय गुणों से भरा होता है। चुंबकीय तत्व आयनीकरण का कारक होता है।

हमारा रक्त लौह तत्व से युक्त होता है। विज्ञान के आधार पर कहा जा सकता है कि पृथ्वी के आधिकारिक संपर्क में रहने वाला व्यक्ति पृथ्वी के चुंबकत्व यानि शुभ ऊर्जा को

ग्रहण करता है। प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन लगभग आधा घंटे के लिए भूमि पर जरूर सोना चाहिए। पीठ या शरीर का ज्यादातर हिस्सा जमीन से लगा रहना चाहिए। भूमि पर शयन करने से करने से निम्नलिखित फायदे होते हैं।

भूमि शयन शरीर में विशेष प्रकार की ऊर्जा का विकास करता है, रोगाणुओं के प्रति प्रतिरोध उत्पन्न होता है और शरीर स्वस्थ रहता है।

भूमि शयन शरीर में विशिष्ट प्रकार की स्फूर्ति का विकास करता है। मस्तिष्क में उदासीनता और खिन्नता धीरे-धीरे खत्म होने लगती है और मन-मस्तिष्क की प्रफुल्लता बनी रहती है।

भूमि शयन से शरीर में सूक्ष्म आयन विकसित हो जाते हैं। ये अन्य ग्रहों से आने वाले ऋणात्मक विकिरणों का शमन करने में सक्षम होते हैं। इस प्रकार व्यक्ति पर किसी भी ग्रह से होने वाली पी?ा में कमी आती है। इससे सेहत अच्छी रहती है। शरीर का भी विकास होता है।

जमीन पर या हरी घास नंगे पैर चलने से बुध ग्रह की अनुकूलता प्राप्त होती है।

जब महाराज अम्बरीष ने महर्षि दुर्वासा को भागने पर मजबूर कर दिया

अम्बरीष महान विष्णु भक्त थे। वे सदैव निष्ठा से प्रजा की सेवा करते थे। श्रीहरि के प्रति ऐसी भक्ति थी कि नारायण ने स्वयं सुदर्शन चक्र को महाराज अम्बरीष की रक्षा के लिए नियुक्त कर दिया। इसी कारण कोई भी उनसे युद्ध करने का साहस नहीं करता था। ऐसा माना जाता है कि उन्होंने केवल सात दिनों में ही पूरी पृथ्वी को जीत लिया था।

श्रीराम के पूर्वज महाराज युवनाश्व ने ही मान्धाता नामक महान पुत्र को जन्म दिया। मान्धाता ने सौ राजसूय यज्ञ किये। साथ ही यही वो पहले सूर्यवंशी सम्राट थे जिन्होंने चंद्रवंशियों से सम्बन्ध बनाये। मान्धाता ने यादव सम्राट शशिबिन्दु की पुत्री बिन्दुमती से विवाह किया जिनसे इन्हे तीन पुत्र और 50 कन्यायें प्राप्त हुई। उनकी सभी 50 कन्याओं का विवाह सौभरि ऋषि से हुआ। इनके ज्येष्ठ पुत्र का नाम था पुरुकुत्स। इन्ही के छोटे भाई थे अम्बरीष एवं मुचुकंद। पुरुकुत्स के वंश में ही आगे चल कर श्रीराम ने जन्म लिया। मुचुकंद महान वीर थे जिन्होंने देवराज इंद्र की युद्ध में सहायता की। बाद में इंद्र ने इन्हे गहन निद्रा का वरदान दिया और इन्ही के हाथों द्वापर युग में श्रीकृष्ण ने कालयवन का वध करवाया।

अम्बरीष महान विष्णु भक्त थे। वे सदैव निष्ठा से प्रजा की सेवा करते थे। श्रीहरि के प्रति ऐसी भक्ति थी कि नारायण ने स्वयं सुदर्शन चक्र को महाराज अम्बरीष की रक्षा के लिए नियुक्त कर दिया। इसी कारण कोई भी उनसे युद्ध करने का साहस नहीं करता था। ऐसा माना जाता है कि उन्होंने केवल सात दिनों में ही पूरी पृथ्वी को जीत लिया था।

एक बार वैकुण्ठ एकादशी के दिन महाराज अम्बरीष ने वृन्दावन में निर्जल उपवास का आरम्भ किया। उनका ये प्राण था कि उस दिन से 12वें दिन जब द्वादशी का आरम्भ होगा, उसी दिन वे अपना व्रत तोड़ेंगे। उन 12 दिनों में महाराज अम्बरीष ने अपना समस्त राजकोष दान पुण्य के लिए खोल दिया। सहस्त्रों लोगों को उनका इच्छित दान दिया गया। इस प्रकार दान पुण्य करते हुए द्वादशी का दिन आ पहुँचा। पूजा के बाद महाराज अम्बरीष ने महाभिषेक किया और समस्त ब्राह्मणों और प्रजाजनों को दान दिया।

सब कुछ सही ढंग से संपन्न होने के बाद अंतत: महाराज अम्बरीष अपना व्रत तोड़ने के लिए पारण (भोजन) पर बैठे। उसी समय वहां महर्षि अत्रि पुत्र दुर्वासा आ पधारे। उन्हें देख कर महाराज अम्बरीष भोजन छोड़ उठ खड़े हुए और उनकी अभ्यर्थना की। उन्होंने महर्षि दुर्वासा से कहा कि हे ऋषिवर! मेरी ये प्रतिज्ञा थी कि आज द्वादशी के दिन मैं अपना व्रत समाप्त करूँगा। किन्तु इससे पहले समस्त ब्राह्मणों को भोजन कराने का भी प्रण था। बांकी सब तो भोजन कर चुके हैं, अब आप भी कृपया भोजन कर मुझे कृतार्थ करें।

तब महर्षि दुर्वासा ने उनसे कहा - नरेश! आपने बड़ा उत्तम व्रत किया है। इस पावन स्थान पर भोजन करने से मुझे भी पुण्य प्राप्त होगा। किन्तु आप तनिक देर रुकिए, मैं स्नान कर के आता हूँ। उसके बाद ही भोजन करूँगा। अम्बरीष ने तत्काल उनके नदी तक जाने की व्यवस्था करवा दी और उनकी वापसी की प्रतीक्षा करने लगे। उधर दुर्वासा ऋषि नहाते हुए इतने मग्न हो गए कि उन्हें वापस लौटने का ध्यान ही नहीं रहा।

बहुत देर हो गयी और द्वादशी तिथि समाप्त होने को आई। किन्तु महर्षि दुर्वासा अभी तक नहीं आये थे। उन्हें भोजन कराये बिना अम्बरीष भोजन नहीं कर सकते थे। इसी उधेड़बुन में द्वादशी तिथि बिलकुल निकट आ गयी। अब महाराज अम्बरीष बड़े धर्म संकट में पड़ गए। यदि भोजन करते हैं तो अतिथि धर्म का उलंघन होता है। यदि नहीं करते तो एकादशी व्रत खंडित होता है। उन्हें समझ में नही आया कि क्या करें।

तब वहाँ उपस्थित विद्वान ब्राह्मणों ने कहा कि आप केवल जल पी कर पारण कर लीजिये। इससे आपका व्रत भी नहीं टूटेगा और भोजन कर लेने का कोई दोष भी नहीं लगेगा। उन विद्वान ब्राह्मणों की बात सुन कर अम्बरीष ने जल पीकर एकादशी का व्रत पूरा कर लिया। अभी वे जल पी ही रहे थे कि महर्षि दुर्वासा वहां आ गए। अम्बरीष को स्वयं को भोजन ना करा स्वयं जल पीता देख कर वे अत्यंत क्रोधित हुए और उन्हें श्राप देने को उद्धत हुए।

तब अम्बरीष ने हाथ जोड़ कर विनय पूर्वक उनसे कहा - हे महर्षि! मेरे एकादशी के व्रत को पूर्ण करने की मेरी प्रतिज्ञा थी। वो खंडित ना हो इसी कारण मैंने केवल जल पीकर पारण किया है। मैं शपथ खाकर कहता हूँ कि जल के अतिरिक्त मैंने कुछ और ग्रहण नहीं किया। अत: मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि आप क्रोध त्याग कर भोजन ग्रहण करें।

पर महर्षि दुर्वासा क्रोध में हित-अहित भूल गए। उन्होंने क्रोध पूर्वक कहा - हे राजन! क्या तुम्हे ये नहीं पता कि मुझे भोजन कराये बिना तुम्हे जल ग्रहण करने का भी अधिकार नहीं था। तुमने जो पाप किया है उसका दंड तो तुम्हे भुगतना ही होगा। ये कह कर महर्षि दुर्वासा ने अपनी एक जटा तोड़ कर भूमि पर पटकी। वहाँ से एक भयानक कृत्या का जन्म हुआ। उसका रूप ऐसा भयानक था कि वहाँ उपस्थित लोगों ने डर से अपने नेत्र बंद कर लिए। तब दुर्वासा ने कहा - हे कृत्या! अधर्म के पथ पर चलने वाले इस राजा को तत्काल खा जा।

महर्षि दुर्वासा की आज्ञा पाकर वो कृत्या अम्बरीष को खाने को दौड़ी। अम्बरीष स्वयं अपराधबोध से ग्रस्त थे इसी कारण उन्होंने उस कृत्या का प्रतिकार नहीं किया। किन्तु अम्बरीष की रक्षा के लिए नियुक्त सुदर्शन चक्र सक्रिय हो गया और एक ही प्रहार से उस कृत्या का नाश कर दिया। कृत्या के वध के पश्चात सुदर्शन महर्षि दुर्वासा के पीछे लपका। दुर्वासा ऋषि ने उसे रोकने का हर प्रयत्न किया किन्तु नारायण के अस्त्र को भला कौन रोक सकता है? अपना अंत निश्चित जान कर महर्षि उससे बचने के लिए तीनों लोकों में भागने लगे।

वे पहले ब्रह्माजी के पास पहुंचे और उनसे अपनी रक्षा की गुहार लगाई। तब परमपिता ने कहा कि तुमने नारायण के भक्त का वध करने का प्रयास किया है इसी कारण अब इस सुदर्शन से तुम्हे कोई नहीं बचा सकता। किन्तु फिर भी तुम महादेव के पास जाओ। वही इस महान सुदर्शन चक्र को उत्पन्न करने वाले हैं। कदाचित वे तुम्हारी सहायता कर सकें।

तब महर्षि दुर्वासा तत्काल महादेव के पास पहुँचे। वे उन्ही के अंश से जन्में थे इसी कारण उन्हें अत्यंत प्रिय थे। उन्होंने महादेव से अपनी रक्षा करने की प्रार्थना की। किन्तु महादेव नारायण के द्रोही की सहायता कैसे कर सकते थे? उन्होंने कहा कि पुत्र! तुमने अज्ञानता में श्रीहरि के क्रोध को भड़काया है। अब इस सुदर्शन को रोक कर मैं उनका अपमान नहीं कर सकता। किन्तु वे सबका हित चाहने वाले हैं अत: तुम उन्ही के पास जाओ। ये सुनकर महर्षि वैकुण्ठ पहुँचे। वहां उन्होंने नारायण से क्षमा याचना की और कहा कि वे कृपया अपने अस्त्र को रोक लें। तब नारायण ने कहा - हे महर्षि! मैंने आपको क्षमा कर दिया है। ये अस्त्र मेरा है और मैं ही इसे रोक सकता हूँ किन्तु अभी मैं ऐसा करने में असमर्थ हूँ क्यूंकि इसे मैंने ही अम्बरीष की सेवा में प्रदान किया था। अत: आप अम्बरीष के पास ही जाइये। वे अवश्य ही इस सुदर्शन चक्र से आपकी रक्षा करेंगे।

तब महर्षि दुर्वासा पुन: महाराज अम्बरीष के पास आये। वहाँ आकर उन्हें पता चला कि वे अभी तक भूखे रह कर उन्ही की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनका ऐसा स्वाभाव देख कर दुर्वासा को बड़ा पश्चाताप हुआ। उन्होंने महाराज अम्बरीष से क्षमा मांगी और उन्हें सुदर्शन को रोकने को कहा। तब महाराज अम्बरीष ने सुदर्शन चक्र से प्रार्थना की कि वे महर्षि दुर्वासा को क्षमा कर दें। महाराज अम्बरीष के अनुरोध पर सुदर्शन ने दुर्वासा को क्षमा किया और वापस नारायण के पास चला गया। तत्पश्चात महाराज अम्बरीष ने महर्षि दुर्वासा को भोजन करा फिर पुन: भोजन कर अपना व्रत पूरा किया। महर्षि दुर्वासा ने भोजन किया और महाराज अम्बरीष को अनेकानेक आशीर्वाद दिए। महाराज अम्बरीष को एक पुत्र हुआ जिसका नाम उन्होंने अपने पितामह के नाम पर युवनाश्व रखा। युवनाश्व को हरित नामक एक पुत्र की प्राप्ति हुई।

महर्षि दुर्वासा ने अपनी एक जटा तोड़ कर भूमि पर पटकी। वहाँ से एक भयानक कृत्या का जन्म हुआ। तब दुर्वासा ने कहा - हे कृत्या! अधर्म के पथ पर चलने वाले इस राजा को तत्काल खा जा। महर्षि दुर्वासा की आज्ञा पाकर वो कृत्या अम्बरीष को खाने को दौड़ी। अम्बरीष स्वयं अपराधबोध से ग्रस्त थे इसी कारण उन्होंने उस कृत्या का प्रतिकार नहीं किया। किन्तु अम्बरीष की रक्षा के लिए नियुक्त सुदर्शन चक्र सक्रिय हो गया और एक ही प्रहार से उस कृत्या का नाश कर दिया। कृत्या के वध के पश्चात सुदर्शन महर्षि दुर्वासा के पीछे लपका। दुर्वासा ऋषि ने उसे रोकने का हर प्रयत्न किया किन्तु नारायण के अस्त्र को भला कौन रोक सकता है? अपना अंत निश्चित जान कर महर्षि उससे बचने के लिए तीनों लोकों में भागने लगे।

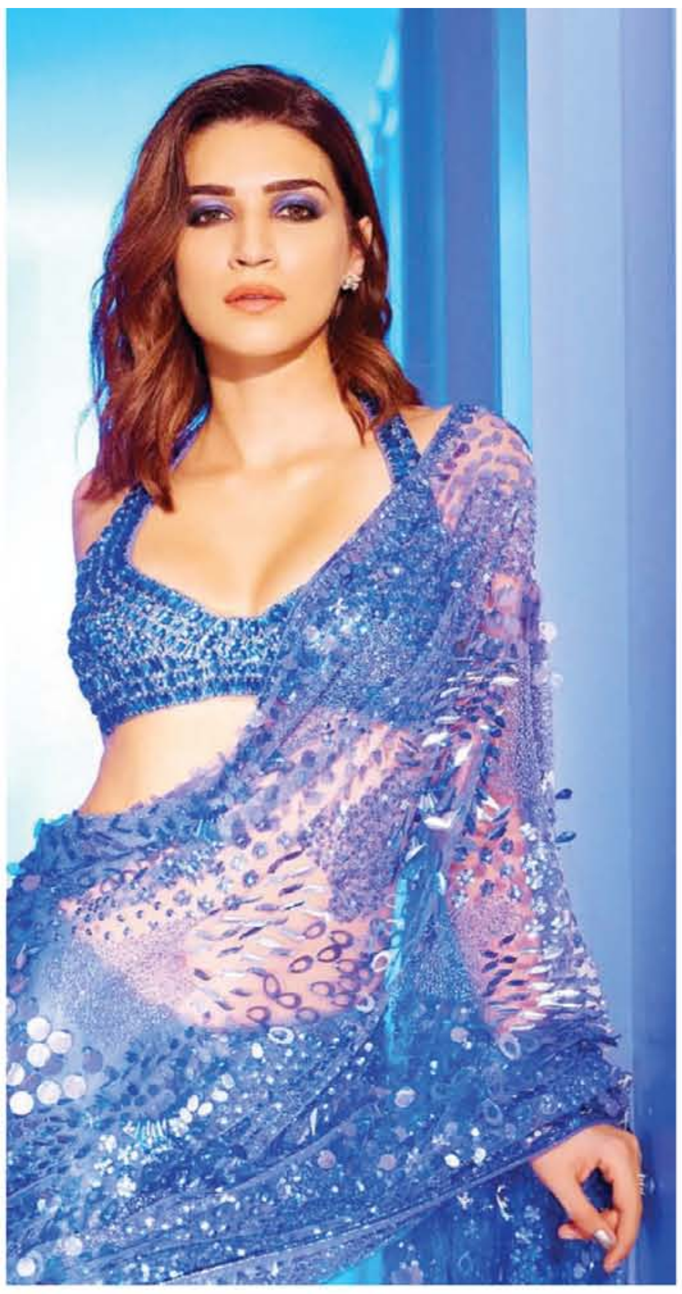

स्वभाव से बहुत ही जिज्ञासु हैं कृति सेनन

बीते दस साल में हर तरह की भूमिकाएं करने वाली कृति सेनन ने इंडस्ट्री में अपना मुकाम पुख्ता किया है। मिमी जैसी अर्थपूर्ण फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाली यह एक्ट्रेस हीरोपंती, बरेली की बर्फी जैसे कमर्शियल सिनेमा के साथ-साथ अर्थपूर्ण फिल्में भी करती रही हैं। इस साल उनकी तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया रिलीज हुई थी जो हिट रही। उसके बाद द क्रू भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी रही। इस फिल्म में अभिनेत्री करीना कपूर और तब्बू के साथ मुख्य भूमिका में नजर आईं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने करियर का सबसे मुश्किल दौर बताया और कहा कि, असल में मेरे करियर में काफी ऊंचाइयां नहीं आई हैं। जब काफी है पीक आता है, तो काफी लो भी आता है। असुरक्षित पल जरूर रहे हैं, निराशाजनक दौर भी रहा है। ऐसा वक्त भी रहा, जब मुझे लगा कि मैं बहुत कुछ कर सकती हूं, मगर मेरे पास वो मौके नहीं थे। फिर मैंने यह भी देखा कि वो मौके सामने वाले को इतनी आसानी से मिल रहे हैं और उसके लिए उसने कुछ किया भी नहीं है। वो हताशा के पल बहुत आए, जब आप अपनी सामर्थ्य जानते हैं, मगर आपके हाथ में कुछ नहीं होता। मैं उस दौर से गुजर चुकी हूं और सबसे मुश्किल वही वक्त होता है। ईमानदारी से कहूं, तो जब मैंने बरेली की बर्फी की थी, उसके काफी समय बाद तक कोई फिल्म नहीं की थी। ये बहुत ही शॉकिंग था। मैं सोच रही थी मेरे साथ ऐसा क्यों हुआ? मेरे पास ऐसा कुछ नहीं आ रहा थाए जो दमदार हो। मैंने सब कुछ किया। कई बार आपके लिए फिल्म की चक्की चलाना बहुत जरूरी होता है। आप वो चक्की चला दें और फिर चीजें बढ़ती जाएंगी। कई बार आप वो फिल्में इसलिए भी कर रहे होते हैं, क्योंकि आपके पास ऑप्शन नहीं होता। आपको वो अच्छा नहीं लगता, मगर करना पड़ता है। उससे सीख भी मिलती है। अपनी अभिनय क्षमता के बारे में उन्होंने कहा, मुझे इतना अंदाजा नहीं था। मुझे याद है शुरू में मैं मॉडलिंग किया करती थी, विज्ञापन फिल्मों के लिए, तब सभी निर्देशक मुझसे कहते थे कि मुझमें एक्टिंग की क्षमता है। मैंने जाने-माने निर्देशक शूजीत सरकार के साथ एक विज्ञापन फिल्म की थी, तो उन्होंने कहा कि तुममें एक्टिंग का कीड़ा है, तुम खुद को और पॉलिश करो। हो सके तो वर्कशॉप करो या फिर फिल्में करो, तब मैंने सोचा भी नहीं था फिल्मों में एक्टिंग करने को लेकर। मगर कहीं न कहीं एक्टिंग मेरे अंदर थी, बस मुझे पता नही था। मुझे जब अपनी पहली फिल्म मिली, तो मैंने ठान लिया कि इसे पूरे मन से करना है। तो मेरे हिसाब से जो भी मैं सीखती आई हूं, अपनी फिल्मों के दौरान, वो मैंने सेट पर सीखा। मैंने अपने आप को और बेहतर करने की कोशिश हमेशा की। मैं स्वभाव से बहुत ही जिज्ञासू हूं। कुछ लोग कहते हैं कि मैं बहुत सवाल पूछती हूं, मगर मुझे ऐसा लगता है कि सवाल पूछना अच्छा होता है, क्योंकि सवालों से ही जवाब मिलते हैं।

फैशन से ज्यादा आराम पसंद

कृति सेनन ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहा कि वे चाहती हैं कि लोग उनके पहने गए जूतों की हील्स कितनी ऊंची या छोटी है इस पर चर्चा ना करें। अगर इस तरह चर्चा की जाएगी तो जाहिर है कि स्टार्स आराम को छोड़कर फैशन को अपनाएंगे। यहां तक कि छोटी हील्स और फ्लैट्स पहनना पसंद करती हैं और चाहती हैं कि रेड कार्पेट पर उनकी थीम कंफर्ट हो। मैं बहुत मूडी हूं। कभी-कभी जब मैं बिल्कुल भी कोशिश नहीं करना चाहती और कुछ ऐसा पहनना चाहती हूं जो आरामदायक हो, तो मैं टीशर्ट, शॉर्ट्स को चुनती हूं, क्योंकि उसमें मैं अधिक आराम महसूस करती हूं। मेरे लिये आराम पहले आता है।

शिल्पा शेट्टी ने केडी- द डेविल्स की शूटिंग पूरी की

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने अपनी आने वाली फिल्म केडी-द डेविल्स की शूटिंग पूरी कर ली है। शिल्पा शेट्टी, केडी-द डेविल में सत्यवती के रूप में सभी का दिल जीतने के लिए तैयार है। शिल्पा शेट्टी ने मैसूर में ध्रुव सरजा और संजय दत्त स्टारर इस फिल्म का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया है। 1970 के दशक की बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित पीरियड एक्शन एंटरटेनर, केडी-द डेविल में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, संजय दत्त और वी रविचंद्रन भी हैं। केवीएन प्रोडक्शंस प्रस्तुत केडी-द डेविलए जिसका निर्देशन प्रेम ने किया है। पैन-इंडिया बहुभाषी तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिन्दी में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। हाल ही में एक्ट्रेस ने मजेदार अंदाज में इस अपकमिंग फिल्म के रैपअप होने की जानकारी फैंस को सोशल मीडिया के लेटेस्ट पोस्ट के जरिए दी है। वीडियो में शिल्पा शेट्टी को मजाकिया अंदाज में देखा जा सकता है, क्रू के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। क्लिप में वह कहती दिख रही हैं, केडी वह फिल्म है, जो देखने लायक है और मेरे फेवरेट रोल में से एक है सत्यवती, वह आ गई है। केडी पूरी हो गई है दोस्तों। क्लिप शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, केडी द डेविल पार्ट वन का रैप हो गया है। सत्यवती को एक्शन में देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती यह दिसंबर में आपकी होने के लिए तैयार है।

खाना-खजाना

पत्तागोभी कोफ्ते

सामग्री: पत्तागोभी 1,हरी मिर्च मिर्च 1 बारीक कटी, नमक स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर 1/2 टीस्पून,धनिया पाउडर 1/2 टीस्पून, हरा धनिया बारीक कटा, बेसन 1 कप।

ग्रेवी के लिए: टमाटर 5-6, अदरक 1 इंच का टुकड़ा, हरी मिर्च 3, हींग चुटकीभर, हल्दी पाउडर 1/2 टीस्पून, धनिया पाउडर 1 टीस्पून, लाल मिर्च पाउडर 1/2 टीस्पून, गरम मसाला 1/4 टीस्पून, नमक स्वादानुसार।

विधि: पत्तागोभी को कद्दूकस कर लें। एक सर्विंग बाउल में पत्तागोभी, हरी मिर्च, नमक, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, हरा धनिया, बेसन और जरूरत के मुताबिक पानी डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। फिर इस मिक्सचर के छोटे-छोटे बॉल्स बना लें। एक पैन में तेल गर्म करें अब इसमें बॉल्स को डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राई कर लें। ग्रेवी बनाने के लिए टमाटर, प्याज, हरी मिर्च और अदरक को बारीक पीस लें। एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा डालें। जब जीरा चटकने लगे, तब इसमें हींग, हल्दी, धनिया पाउडर और कसूरी मेथी डालकर 2 सेकेंड तक भून लें। फिर इसमें टमाटर का पेस्ट डालकर धीमी आंच पर मसाले से तेल छुटने तक भून लें। फिर इसमें 1 कप पानी और नमक डालकर ग्रेवी को ढककर 4-5 मिनट तक पका लें। इसके बाद इसमें सभी कोफ्ते और गरम मसाला डालकर 3 मिनट तक पका लें। ऊपर से हरा धनिया डालकर सर्व करें।

पुदीना पुलाव

सामग्री: बासमती चावल 1 कप, पुदीने की पत्तियां 1 कप, धनिया पत्तियां 1 कटोरी, हरी मिर्च 2 (बारीक कटी), प्याज 1 (बारीक कटा), अदरक 1 छोटा चम्मच (बारीक कटा), लहसुन की 4 कलियां छिली हुई, नींबू का रस एक छोटा चम्मच, नारियल 3 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया), 3 छोटी इलायची, 4 लौंग, 1 दालचीनी का टुकड़ा, 1 तेज पत्ता, नमक स्वादानुसार, तेल या घी।

विधि: सबसे पहले चावल साफ करके धो लें। इन्हें 20 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद चावल को गैस पर रख कर मीडियम आंच पर ढककर उबाल लें। चावल उबलने के बाद गैस बंदकर छलनी से इसका पानी अलग कर दें। अब पुदीना, हरा धनिया, नींबू रस, अदरक, लहसुन, और नारियल को मिक्सी में पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। इसके बाद गैस पर पैन में तेल या घी गर्म करें। इसमें तेज पत्ता, दालचीनी, लौंग और छोटी इलायची का तड़का लगाएं। फिर प्याज और हरी मिर्च डालें। प्याज को सुनहरा होने तक पकाएं। अब इसमें पुदीने का पेस्ट डालकर 2 मिनट तक और पकाएं। इसके बाद पैन में उबले चावल और नमक डालकर मिक्स करें। 2 मिनट तक पकाने के बाद गैस बंद कर दें। तैयार हैं पुदीना पुलाव। ऊपर से पुदीना और हरी धनिया पत्तियों से गार्निश करके गर्मागर्म सर्व करें।

सालों बाद अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा का टूटा रिश्ता

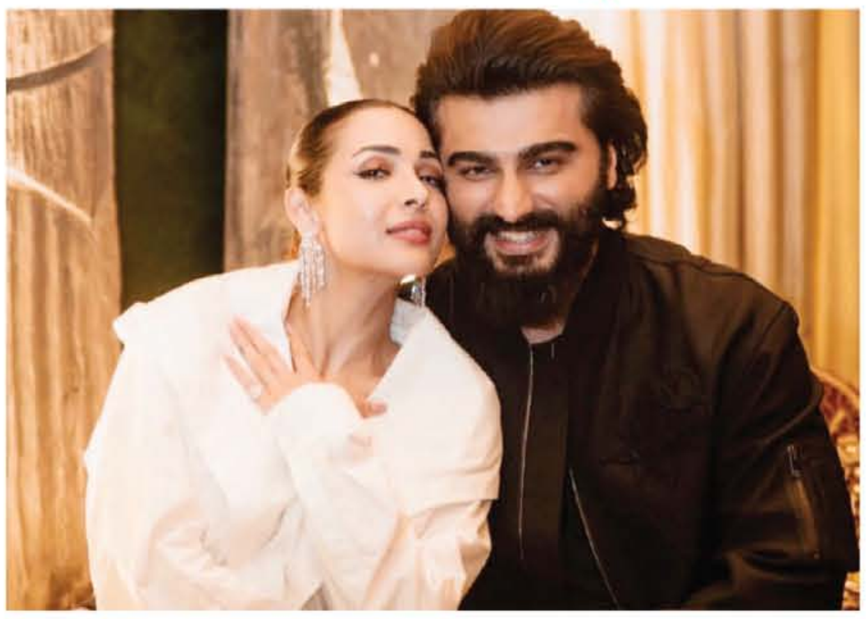

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के रिश्ते में दरार आ गई है। पिछले 8 सालों से दोनों साथ हैं लेकिन इस दौरान इनका ब्रेकअप हो चुका है। बीच में खबर आई थी कि ये अब साथ नहीं। मगर बाद में दावा किया गया कि ये दोनों अपने रिश्ते को एक और मौका देना चाहते हैं। इसलिए साथ आ रहे हैं। ये फिर से अलग हो गए हैं।

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ने सम्मान के साथ अलग होने का फैसला किया है। उनका सफर यहीं तक था इसलिए अब वह इसे इज्जत के साथ खत्म कर रहे हैं। मलाइका और अर्जुन का रिश्ता बहुत खास था और वे दोनों एक-दूसरे के दिलों में एक खास जगह बनाए रखेंगे। उन्होंने अलग होने का फैसला किया है और इस मामले में रिस्पेक्टेबल साइलेंस बनाए रखेंगे। वे किसी को भी अपने रिश्ते को खींचने और उसका एनालिसिस करने की इजाजत नहीं देंगे। उनका रिश्ता लंबा और प्यार भरा था। यह दुर्भाग्य से अब खत्म हो चुका है। इसका मतलब यह नहीं है कि उनके बीच कोई खटास है। वे एक-दूसरे का बहुत सम्मान करते हैं और एक-दूसरे के लिए ताकत की तरह रहे हैं। पिछले कई सालों में उन्होंने अपने रिश्ते को बहुत सम्मान दिया है। अलग होने का फैसला करने के बावजूद वे एक-दूसरे को उतना ही सम्मान देते रहेंगे। वे दोनों सालों से एक सीरियस रिलेशन में थे और उन्हें उम्मीद है कि लोग इस इमोशनल समय में उन्हें स्पेस देंगे। इस साल जनवरी में भी खबर आई थी कि इन दोनों का दो महीने पहले ही ब्रेकअप हो चुका था। लेकिन उन्होंने इस रिश्ते को खत्म करने के बजाय, इस पर काम करने का फैसला किया था। वहीं, अरबाज की शादी के बाद लोगों कि निगाहें एक्ट्रेस पर टिकी थीं कि वह इस साल शादी करेंगी। लेकिन उस पर पानी फिर गया। क्योंकि वह और अर्जुन अब साथ नहीं रहे।

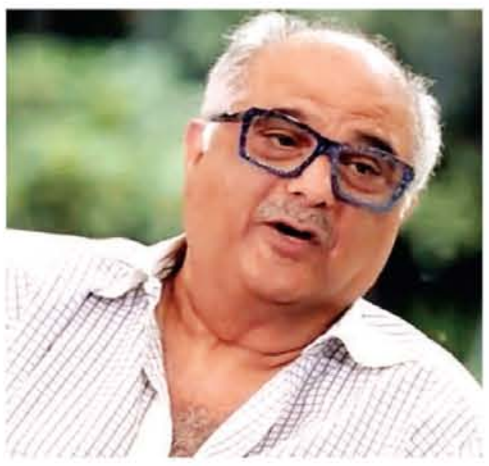

बोनी कपूर की बेताबी का कारण आया सामने

बोनी कपूर ने वर्ष 1987 में अनिल कपूर, श्रीदेवी और अमरीशपुरी को लेकर सुपरहिट फिल्म मिस्टर इंडिया बनायी थी। शेखर कपूर के निर्देशन में बनी फिल्म मिस्टर इंडिया ,25 मई 1987 को प्रदर्शित हुयी थी। मिस्टर इंडिया के सीक्वल पर बोनी कपूर ने एक अपडेट दिया है। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया है।बोनी कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें मिस्टर इंडिया के सेट से पर्दे के पीछे की कई फोटोज हैं। इस वीडियो के साथ बोनी कपूर ने कैप्शन में लिखा, दिखाई नहीं देने वाली घड़ी। इसने 37 साल पूरे कर लिए हैं। इस जादू को फिर से चलाने के लिए रिचार्ज हो रहा हूं।

अजय देवगन-तब्बू की औरों में कहां दम था का टीजर रिलीज

काफी लंबे इंतजार के बाद अजय देवगन और तब्बू स्टारर फिल्म औरों में कहां दम था का टीजर रिलीज हो चुका है। फिल्म को लेकर काफी समय से चर्चा हो रही थी लेकिन ये लगातार टलती जा रही थी। आज सुबह ही फिल्म का पोस्टर रिलीज किया गया था जिसमें अजय देवगन को पीछे से दिखाया गया है। इस पोस्टर ने फैंस की उत्सुकता और भी ज्यादा बढ़ा दी थी। फिल्म की कहानी 23 साल के लंबे दौर को दिखाती है जो 2000 से 2023 के बीच के बैकग्राउंड पर बनी है। इस टीजर में अजय देवगन की आवाज में दमदार डायलॉग सुनाई दे रहा है- दिल से धुआं उठा, बरसात का मौसम था, सौ दर्द दिए उसने, जो दर्द का मरहम था, हमने ही सितम ढाए, हमने ही कहर तोड़े, दुश्मन थे हम ही अपने, औरों में कहां दम था। फिल्म में जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी नजर आएंगे। शीतल भाटिया, नरेंद्र हीरावत और कुमार मंगत

पाठक इस फिल्म के निर्माता हैं जबकि एम एस धोनी और बेबी जैसे फिल्मों के निर्देशक नीरज पांडे ने इसे डायरेक्ट किया है। वहीं अजय देवगन की बात करें तो वो बहुत जल्द सिंघम 3 में नजर आएंगे। फैंस अजय देवगन को सिंघम के अवतार में देखने के लिए काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। इसके अलावा फिल्म रणवीर सिंह और अक्षय कुमार की रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में वापसी के तौर पर भी देखी जा रही है। फिल्म में लेडी सिंघम के तौर पर दीपिका पादुकोण नजर आएंगी।

मिसाल-बेमिसाल

हालात ने बना दिया अरुणा ईरानी को वैम्प

अरुणा ईरानी की अभिनय प्रतिभा व नृत्य कौशल का दुनिया लोहा मानती है। उनकी सुंदरता के भी सभी दीवाने हैं। ऐसे में उन्हें फिल्मों में लीड हीरोइन होना चाहिए था,हीरोइन बनने का उन्हें अवसर भी मिला, लेकिन हालात ने उन्हें बड़े पर्दे की वैम्प बना दिया। अरुणा ईरानी ने नौ साल की आयु में अपना फ़िल्मी सफ़र दिलीप कुमार की एक फिल्म से किया था। तभी से वह लीड हीरोइन बनने के सपने देखने लगी थीं। किसी हद तक उनका यह सपना साकार भी हुआ जब 1972 में महमूद ने उन्हें बॉम्बे टू गोआ में अमिताभ बच्चन के साथ उनकी हीरोइन के रूप में कास्ट किया। इसी तरह वह जितेन्द्र के साथ भी वह कारवां में हीरोइन के रूप में आयीं। इस फिल्म के लाइफटाइम टिकट,31 करोड़, फिल्म शोले के लाइफटाइम टिकट,25 करोड से अधिक थे। लेकिन इंडस्ट्री ने उन्हें नेगेटिव रोल्स ही दिए,जबकि वह हास्य भूमिकाएं निभाने में भी निपुण हैं।

अरुणा ईरानी का जन्म 3 मई 1946 को मुंबई में हुआ। उनके पिता ईरानी और मां हिन्दू थीं। उनके पिता फरिदुन ईरानी एक ड्रामा कंपनी चलाते थे और उनकी मां सगुना अभिनेत्री थीं। अरुणा के भाई इंद्र कुमार, अदि ईरानी व फ़िरोज़ ईरानी भी फिल्मोद्योग से जुड़े हुए हैं।

फिल्मों में काम करते हुए ही उन्होंने नृत्य सीखा, क्योंकि किसी मास्टर से प्रोफेशनल ट्रेनिंग लेने के लिए भी पैसे नहीं थे। अपने परिवार की आर्थिक मदद करने के उद्देश्य से अरुणा ईरानी ने बतौर बाल कलाकार फिल्मों में प्रवेश किया। सबसे पहले उन्होंने दिलीप

कुमार की फिल्म गंगा जमुना में अजरा के बचपन की भूमिका अदा की थी और इसके बाद उन्होंने अनपढ़ में माला सिन्हा के बचपन की भूमिका निभायी। फ़िल्में तो सफल रहीं, लेकिन अरुणा लीड हीरोइन का सफर जारी न रख सकीं और वैम्प व चरित्र भूमिकाएं करने लगीं। 1980 व 1990 के दशकों में वह मां की भूमिकाओं में आने लगीं। अरुणा की प्रतिभा का इसी बात से अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि फिल्मफेयर अवाड्र्स में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री की श्रेणी में उन्हें रिकॉर्ड 10 नामंकन मिल चुके हैं, जिनमें से उन्होंने दो जीत हासिल कीं।

अरुणा का नाम महमूद से जुड़ा, जोकि पहले से ही शादीशुदा व्यक्ति थे। अपने एक हाल के इंटरव्यू में उन्होंने इस संदर्भ में महमूद को ईश्वर की तरफ़ से भेजा गया फरिश्ता कहा और बताया कि उनके शुरुआती करियर में महमूद ने ही काम दिया था।

अंतर पहचानो

बच्चों दिए गए दोनों चित्रों में कुछ अंतर हैं। तुम्हें इन्हें खोजना है। कम से कम तीन अंतर तो खोजो ही, अगर समझ में नहीं आएं तो अपने मम्मी-पापा से मदद ले सकते हो।

एग्जिट पोल के अनुरूप ही होंगे चुनावी परिणाम : बाबा रामदेव

नोएडा (चेतना मंच)। योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना हिमालय पर्वत से करते हुए कहा कि उनका चरित्र विराट है। एग्जिट पोल के आसपास ही परिणाम रहने की संभावना है। योग गुरु बाबा रामदेव रविवार को सेक्टर-21ए इंडोर स्टेडियम में आयोजित पतंजलि महिला योग महासम्मेलन में भाग लेने आए थे।

विश्व योग दिवस से पहले की जा रही तैयारियों के रूप में नोएडा स्टेडियम में पतंजलि महिला योग महासम्मेलन का आयोजन किया गया, जो पूरी तरह से सफल रहा। 21 जून से पहले इस तरह के कार्यक्रम अन्य जगहों पर भी किए जाएंगे। बाबा रामदेव ने कहा, भारत को मजबूत, समृद्ध और स्वस्थ बनाने के लिए 25 लाख बहनें सेवा कर रही हैं। यहां 20 हजार बहनों ने 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के लिए भाग लिया है। आने वाले समय में 2 करोड़ बहनें योग शिक्षिका के रूप में जुड़ेंगी। जब वे मुफ्त में शिक्षा देंगी, तो देश स्वस्थ और समृद्ध हो जाएगा। बाबा रामदेव ने कहा कि योग शिक्षिकाएं देश को निरोग और समृद्ध बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी। उन्होंने समाज की बेटियों को सशक्त बनाने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया।

सीआरपीएफ ने शहीद नीरज कुमार के पुत्र चिराग का मनाया जन्मदिन

नोएडा (चेतना मंच)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने शहीद नीरज कुमार के पुत्र मास्टर चिराग का जन्मदिन उनके मेरठ स्थित घर पर हर्षोल्लास के साथ मनाया। शहीद नीरज कुमार 11 मार्च 2014 को माओवादी हमले में शहीद हुए थे।

इस अवसर पर सीआरपीएफ के अधिकारियों और जवानों ने मास्टर चिराग को बधाई दी और उन्हें उपहार भेंट किए। सीआरपीएफ के जवानों ने इस मौके पर चिराग के साथ मिलकर केक काटा और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ग्रुप केंद्र नोएडा के डीआईजी लाल चंद यादव ने कहा कि हमारे जवानों के परिवार हमारे परिवार हैं। मास्टर चिराग के जन्मदिन का यह आयोजन हमारे जवानों की स्मृति को सम्मानित करने और उनके परिवारों के साथ हमारी एकजुटता को दर्शाने का एक तरीका है।

आग से 35 स्कोडा कार खाक

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-8 में बंद पड़े एक कार सर्विस सेंटर में भीषण आग लग गई। जिसमें 35 पुरानी स्कोडा कारें जलकर खाक हो गईं।

सीएफओ प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक बंद पड़े प्लॉट में आग लगी है। मौके पर पहुंचे तो देखा कई सालों से बंद पड़े स्कोडा गाड़ी के सर्विस सेंटर में आग लगी है। यहां स्क्रैप की गाड़ियां खड़ी थी जिसमें कुछ गाड़ियां पूरी तरीके से जलकर खाक हो गई है। फायर अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि 6 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया है। 33 गाड़ियां जलकर राख हुई है। मौके पर दो गाड़ियां एतिहात के तौर पर खड़ी की गई है। कुछ गाड़ियों में सीएनजी लगे होने की बात कही जा रही है। इस घटना में कितने का नुकसान हुआ होगा इसका भी आकलन किया जा रहा है।

श्री राम हनुमान सेवा समिति की मासिक बैठक सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री राम हनुमान सेवा समिति की मासिक बैठक ग्रेटर नोएडा जलालपुर में सम्पन्न हुई। ये बैठक भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मनोज प्रधान के आवास पर हुई। बैठक संचालन अशोक यादव ने किया तथा अध्यक्षता राजेंद्र मंत्री ने की।

इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकतानन्द प्रधान ने अपने विचार रखते हुए संघटन को मजबूत करने पर बल दिया।

इस मौके पर उपस्थित रहे भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव, अंकित कौशिक, अनिल मास्टर, बबलू यादव, मुकेश शर्मा, भूलेंराम यादव, ओम दत्त चौहान, परवीन चौहान, सुनीलदत्त शर्मा, दीपक शर्मा, विनोद शर्मा, धर्मेंद्र नन्दा, शक्ति सिंह, सौरव यादव, टीकु, गणेश बैरागी, महिला मोर्चा प्रभारी श्रीमती मनोज शर्मा,काजल, बबीता श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी वरुण यादव आदि भक्त उपस्थित रहे।

पांच साल से फरार बाइक बोट घोटाले का इनामी बदमाश दबोचा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक बड़े इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक यह आरोपी संदीप उर्फ बॉबी पिछले 5 सालों से फरार चल रहा था और बाइक बोट घोटाले के मामले में वांछित था। गौतमबुद्ध नगर क्राइम ब्रांच की एक विशेष टीम को गुप्त सूचना मिली कि संदीप राजस्थान के अलवर शहर में छिपा हुआ है। इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए टीम ने अलवर पहुंचकर उसे सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया।

आपको बता दें कि संदीप पर लगभग 8 विभिन्न मामलों में आरोप लगे हुए हैं और उस पर 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था। वह बाइक बोट घोटाले के साथ-साथ अन्य आपराधिक गतिविधियों में भी शामिल बताया जाता है। गौतमबुद्ध नगर के डीसीपी क्राइम ने इस सफल गिरफ्तारी की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी रहेगी।

अधिकारों की लड़ाई के लिए एकजुट हो : पं. पितांबर शर्मा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के जहांगीरपुर कस्बे में अखिल भारतवर्ष ब्राह्मण महासभा का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल दत्त शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा, महामंत्री परमानंद शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष अनिल शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, दादरी नगर अध्यक्ष मांगेराम शर्मा और बार काउंसिल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शिव किशोर गॉड मौजूद रहे।

कार्यक्रम में जहांगीरपुर तथा आसपास के गांव और कस्बा से खुर्जा जेवर रबूपुरा दनकौर झज्जर से भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम भगवान परशुराम वेद जन्म उत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। सर्वप्रथम हवन किया गया मुख्य यजमान के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल दत्त शर्मा प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा हवन में मौजूद रहे। उसके बाद दोनों अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने ब्राह्मण समाज की एकता पर बल दिया साथ ही बच्चों में संस्कार कैसे आएं इसके बारे में सभी ने अपने विचार रखें। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि ब्राह्मण सभा इकट्ठा होकर कोई युद्ध लड़ने नहीं जा रही है अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए हमें एक झंडे के नीचे आना होगा हम किसी जाति राजनीतिक पार्टी के खिलाफ नहीं है।

मतगणना के चलते फूलमंडी के पास होगा यातायात रूट का डायवर्जन

नोएडा (चेतना मंच)। कल 4 जून को फेस-2 स्थित फूल मंडी में होने वाले लोकसभा चुनाव की मतगणना के चलते फूल मंडी के पास ट्रैफिक डायवर्जन लागू होगा । ट्रैफिक पुलिस की ओर से इस संबंध में एडवाइजरी जारी की गई है।

पुलिस उपायुक्त यातायात अनिल कुमार यादव ने बताया कि कल सुबह चार बजे से मतगणना समाप्ति तक फूल मंडी परिसर के आसपास आंतरिक मार्गों पर मतगणना से संबंधित वाहनों का छोड़कर अन्य समस्त प्रकार का यातायात पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

उन्होंने बताया कि फूल मंडी तिराहा से सेक्टर-88 कैंट आरओ चौक तक मार्ग के दोनों ओर यातायात का अवागमन पूर्णत: बंद रहेगा। इस मार्ग से केवल अधिकारी गणों के वाहनों का आवागमन रहेगा। उन्होंने बताया कि कुलेसरा हरनंदी पुल तिराहा से थाना फेज-2 तिराहा डीएससी मार्ग पर और ककराला तिराहा से कुलेसरा हरनंदी पुल तक मार्ग पर दोनों ओर समस्त प्रकार का यातायात पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।फूलमंडी के चारों ओर सार्वजनिक मार्ग व एक किमी के दायरे में पार्क नहीं करेंगे। यदि कोई वाहन सार्वजनिक मार्ग पर खड़ा पाया जाता है, तो उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

माइक्रो आब्जर्वर, प्रशासनिक, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी के वाहनों की पार्किंग फूल मंडी गेट नंबर-1 से प्रवेश कर फूल मंडी परिसर के अंदर गेट नंबर-2 के पास खाली मैदान-पार्क में बनी पार्किंग वाहन खड़े कर सकेंगे।मतगणना कर्मी व सहायक वाहनों की पार्किंग फूल मंडी गेट नंबर-1 से प्रवेश कर फूल मंडी परिसर में स्थित ब्लाक-दुकान संख्या सी-26 व बी-23 के सामने बने पक्के चबूतरे के मध्य बनी पार्किंग में वाहन खड़ें कर सकेंगे।मतगणना प्रक्रिया-ड्यूटी में लगे कर्मियों के लिए दोपहिया पार्किंग की व्यवस्था फूल मंडी गेट नंबर-1 से प्रवेश कर गेट नंबर-2 के निकट ब्लाक-दुकान संख्या-150 से सी-139 फूल मंडी पुलिस चौकी तक कच्ची सड़क पर वाहन पार्क कर सकेंगे।

नोएडा से आने वाले प्रत्याशी-पार्टी एजेंट के वाहन डीएससी मार्ग पर बने पेट्रोल पंप के पास बने यूटर्न से लेकर होजरी कांप्लेक्स सेक्टर-83 तिराहा से याकूबपुर गांव सेक्टर-83 तिराहा से बाएं टर्न कर कैंट आरओ सेक्टर-88 चौक से साफकान कंपनी तिराहा से यूटर्न कर एनएमआरसी डिपो तिराहा से दाएं मुड़कर एसएमसी कंपनी तिराहा के निकट बनी पक्की पार्किंग में वाहन पार्क कर फूल मंडी गेट नंबर-5 से पैदल प्रवेश कर सकेगें।

सूरजपुर और कुलेसरा की ओर से आने वाले प्रत्याशी-पार्टी एजेंट के वाहन डीएससी मार्ग पर कुलेसरा हरनंदी पुल से पुश्ता मार्ग होकर साफकान कंपनी से दाएं मुड़कर एनएमआरसी डिपो तिराहा से दाहिने मुड़कर एसएमसी कंपनी तिराहा के निकट बनी पक्की पार्किंग में वाहन पार्क कर फूल मंडी गेट नंबर-5 से पैदल प्रवेश कर सकेंगे।

मतगणना केंद्र के अंदर मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं, एक हजार पुलिसकर्मी होंगे एक शिफ्ट में तैनात

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे की ओर से आने वाले प्रत्याशी-पार्टी एजेंट के वाहन एल्डिको चौक सेक्टर-93 से व्हाइट टाइगर कंपनी तिराहा सेक्टर-83 मेट्रो लाइन के नीचे से दाएं मुड़कर कैंट आरओ सेक्टर-88 चौक से साफकान कंपनी से यूटर्न कर एनएमआरसी डिपो तिराहा से दाएं मुड़कर एसएमसी कंपनी तिराहा के निकट बनी पक्की पार्किंग में वाहन पार्क कर फूल मंडी गेट नंबर-5 से पैदल प्रवेश कर सकेंगे।